सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" शिक्षा और संस्कार जिंदगी जीने के मूल मंत्र है शिक्षा कभी झुकने नहीं देगी और संस्कार कभी गिरने नहीं देंगे ...!! "
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–107 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 07 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा : जमीन रजिस्ट्री पर 50% छूट, सैनिकों को स्टाम्प शुल्क में 25% राहत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने महिला सशक्तिकरण और सैनिकों के कल्याण के लिए दो बड़े फैसले लिए हैं। अब महिलाओं के नाम जमीन रजिस्ट्री पर पंजीयन शुल्क आधा लगेगा। वहीं सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनकी विधवाओं को स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। दोनों फैसले अधिसूचना जारी होने के साथ लागू हो गए हैं।

महिलाओं को 2% में रजिस्ट्री, पहले लगता था 4%

राज्य सरकार ने महिलाओं के पक्ष में अचल संपत्ति के अंतरण पर पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी की है। अभी तक बाजार मूल्य पर 4 प्रतिशत शुल्क लगता था। अब महिलाओं के नाम रजिस्ट्री पर सिर्फ 2 प्रतिशत शुल्क देना होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और पंजीयन मंत्री ओपी चौधरी की पहल पर यह प्रस्ताव तैयार हुआ। मंत्रिपरिषद की मंजूरी के बाद अधिसूचना जारी की गई।

वर्ष 2024-25 में महिलाओं के नाम पर 82,755 दस्तावेजों का पंजीयन हुआ है। सरकार का अनुमान है कि नई व्यवस्था से करीब 200 करोड़ रुपये राजस्व में कमी आएगी। इसके बावजूद सरकार का मानना है कि इससे महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन बढ़ेगा और उनकी आर्थिक भागीदारी मजबूत होगी।

सैनिकों को 25 लाख तक की संपत्ति पर छूट

सरकार ने सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और दिवंगत सैनिकों की विधवाओं को 25 लाख रुपये तक की संपत्ति खरीद पर स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट दी है। अभी अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय पर लगभग 5 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क लगता है। छूट का लाभ एक बार ही मिलेगा। 25 लाख से अधिक मूल्य की संपत्ति पर अतिरिक्त राशि पर नियमानुसार शुल्क देना होगा। लाभ लेने के लिए छत्तीसगढ़ का मूल निवासी प्रमाण पत्र जरूरी है। साथ ही सैनिक, पूर्व सैनिक या विधवा होने के दस्तावेज और शपथ पत्र देना होगा। सरकार ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा करने वाले सैनिकों के सम्मान में यह संवेदनशील फैसला लिया गया है। इससे सैनिकों की आवास लागत कम होगी।

खास खबर

तमिलनाडु में सियासी समीकरण बदले, 54 साल बाद डीएमके-एआईएडीएमके गठबंधन की अटकलें

आलोक तिवारी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों ने राज्य की सियासत में नया मोड़ ला दिया है। थलापति विजय की पार्टी टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। लेकिन बहुमत के जादुई आंकड़े 118 से 5 सीट दूर है। कांग्रेस को 5 सीटें मिली हैं। टीवीके-कांग्रेस गठबंधन के पास कुल 113 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए 5 और विधायकों का समर्थन जरूरी है।

डीएमके-एआईएडीएमके साथ आए तो बदलेगा खेल

चुनाव में डीएमके को 59 और एआईएडीएमके को 47 सीटें मिली हैं। दोनों धुर विरोधी दलों के बीच गठबंधन की चर्चाओं ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। 54 साल में पहली बार दोनों पार्टियों के साथ आने की अटकलें हैं। अगर गठबंधन होता है तो आंकड़ा 106 पहुंच जाएगा। बहुमत के लिए फिर भी 12 सीटों की जरूरत होगी। यानी डीएमके-एआईएडीएमके गठबंधन को भी अन्य दलों का समर्थन लेना पड़ेगा।

विजय को रोकने के लिए विचारधारा से समझौता?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि थलापति विजय को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए डीएमके और एआईएडीएमके विचारधारा से समझौता कर सकते हैं। 1967 के बाद से दोनों दल राज्य की सियासत की दो अलग धुरी रहे हैं। एमजीआर के दौर में एआईएडीएमके का गठन डीएमके से अलग होकर ही हुआ था। तब से दोनों के बीच सत्ता की सीधी लड़ाई रही है।

किसके पास क्या विकल्प

234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 सीटें चाहिए। टीवीके-कांग्रेस गठबंधन को 5 सीटें चाहिए। डीएमके-एआईएडीएमके गठबंधन को 12 सीटें चाहिए। छोटे दल और निर्दलीय विधायक अब किंगमेकर की भूमिका में आ गए हैं। भाजपा, पीएमके, वीसीके और अन्य दलों के रुख पर सबकी नजर है।

जोड़तोड़ में कौन होगा कामयाब

राज्य में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बनती दिख रही है। अब देखना है कि कौन सा गठबंधन जोड़-तोड़ में कामयाब होता है। क्या 54 साल की दुश्मनी दोस्ती में बदलेगी या थलापति विजय पहली बार में ही मुख्यमंत्री बनेंगे। अगले कुछ दिन तमिलनाडु की सियासत के लिए अहम होंगे।

बंगाल में सुवेंदु अधिकारी के पीए की गोली मारकर हत्या, टीएमसी पर आरोप

वारदात के बाद इलाके में तनाव, भारी पुलिस बल तैनात

नई दृष्टिबिंदु / कोलकाता

पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के मध्यग्राम इलाके में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना बुधवार शाम की बताई जा रही है। हमलावरों ने पीए को 4 गोलियां मारीं। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। भाजपा ने हत्या का आरोप तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लगाया है।

मध्यग्राम में दिनदहाड़े वारदात

पुलिस के मुताबिक, सुवेंदु अधिकारी के पीए मध्यग्राम इलाके से गुजर रहे थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। उन्हें चार गोलियां लगीं। स्थानीय लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद इलाके में तनाव है। भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

भाजपा का टीएमसी पर आरोप, जांच जारी

भाजपा नेताओं ने घटना के लिए टीएमसी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। पार्टी का आरोप है कि चुनाव नतीजों के बाद से राजनीतिक हिंसा बढ़ी है। वहीं टीएमसी ने आरोपों को खारिज किया है। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है। हत्या के कारणों और हमलावरों की पहचान की जांच की जा रही है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

चुनाव बाद हिंसा पर फिर सवाल

बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों के बाद से राज्य में राजनीतिक हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। सुवेंदु अधिकारी राज्य में विपक्ष के बड़े चेहरे हैं। उनके करीबी की हत्या से सियासी पारा चढ़ गया है। भाजपा ने मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। यह बताना जरूरी है किपुलिस जांच जारी है। आरोपों की पुष्टि होना बाकी है।

शराब पीकर बाइक चलाना पड़ा महंगा, कोर्ट ने लगाया 11 हजार का जुर्माना

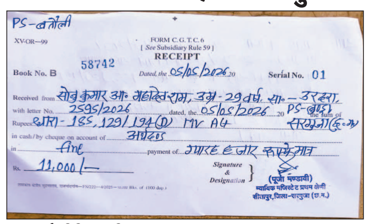

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

सरगुजा जिले में शराब पीकर मोटरसाइकिल चलाने वाले युवक को न्यायालय ने 11 हजार रुपये के अथर्दंड से दंडित किया है। मेडिकल जांच में चालक के शराब पिए होने की पुष्टि हुई थी।

पुलिस के रोकने पर भी नहीं रुका

29 अप्रैल को बतौली थाना पुलिस देवरी रोड पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान टीवीएस अपाचे क्रमांक सीजी15 ईजी 3203 का चालक शराब के नशे में मिला। पुलिस ने रोकने का इशारा किया लेकिन चालक नहीं रुका। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ा।

लुंड्रा का रहने वाला है आरोपी

पकड़े गए चालक की पहचान सोनू कुमार, उम्र 29 वर्ष, पिता महादेव राम, निवासी उरदरा थाना लुंड्रा जिला सरगुजा के रूप में हुई। पुलिस ने उसका मेडिकल मुलाहिजा कराया। जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई। पुलिस ने बाइक जब्त कर मामला न्यायालय में पेश किया।

तीन धाराओं में हुई कार्रवाई

न्यायालय ने 5 मई को धारा 185, 3/181 और 29/194 डी मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालक पर 11 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास लाइसेंस भी नहीं था और हेलमेट नहीं पहना था। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक सेंगर की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि शराब पीकर वाहन न चलाएं। नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नवा रायपुर में 10 और 13 मई को आईपीएल का रोमांच, मुख्य सचिव ने संभाली तैयारियों की कमान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 10 और 13 मई को होने वाले टाटा आईपीएल टी-20 मैचों की तैयारियों को लेकर राज्य प्रशासन जुट गया है। मुख्य सचिव विकासशील ने मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में उच्चाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सुरक्षा, यातायात और बुनियादी सुविधाओं को लेकर कड़े निर्देश दिए।

10 मई को आरसीबी-मुंबई, 13 को आरसीबी-केकेआर

10 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला होगा। 13 मई को आरसीबी का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। ऑनलाइन बुकिंग के बाद रायपुर पहुंचने वाली हजारों दर्शकों की भीड़ को देखते हुए पुलिस कमिश्नर रायपुर को विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

सीसीटीवी और बैरिकेडिंग से चाक-चौबंद सुरक्षा

मुख्य सचिव ने कहा कि दर्शकों की सुरक्षा और सुगम यातायात प्रशासन की सवीच्च प्राथमिकता है। पार्किंग एरिया और स्टेडियम के चारों ओर सीसीटीवी कैमरों का सघन जाल बिछाया जाएगा। बैरिकेडिंग और पार्किंग की जिम्मेदारी पुलिस, एनआरडीए और बीसीसीआई की संयुक्त टीम संभालेगी।

आपात सेवा के लिए डेडिकेटेड रूट : फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस के लिए डेडिकेटेड इमरजेंसी रूट चिन्हित किए जाएंगे। आयोजन के संचालन के लिए कलेक्टर रायपुर की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय कायर्कारिणी का गठन किया गया है। इसमें पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, आयुक्त नगर निगम, संचालक खेल एवं युवा कल्याण, आरटीओ और एनआरडीए के सीईओ शामिल हैं।

पानी-बिजली की निर्बाध आपूर्ति के निर्देश : लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को स्टेडियम में पानी की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है। छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी को मैचों के दौरान निर्बाध बिजली देने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने साफ किया कि संपूर्ण आयोजन का उत्तरदायित्व बीसीसीआई और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ का है। राज्य सरकार पेयजल, बिजली, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं में पूर्ण सहयोग देगी।

बैठक में लोक निर्माण सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, पीएचई सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुल हक, खेल सचिव यशवंत कुमार, कलेक्टर गौरव सिंह सहित पुलिस, ऊर्जा, परिवहन, पर्यटन और सीएसपीडीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बीसीसीआई और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के प्रतिनिधियों ने भी तैयारियों की जानकारी दी।

अवैध लकड़ी तस्करी, महिलाओं से कराई जा रही थी लोडिंग

डौण्डीलोहारा। अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ बालोद जिले में बड़ी कार्रवाई हुई है। छत्तीसगढ़ीया क्रांति सेना, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और पुलिस-प्रशासन की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर भारी मात्रा में कटी हुई लकड़ी, वाहन और उपकरण बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान मुख्य सरगना मौके से फरार हो गया। संगठन को लगातार ग्रामीणों से शिकायत मिल रही थी कि जंगलों से अवैध कटाई कर खुलेआम लकड़ी का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर छापा मारा। मौके पर बड़ी मात्रा में कटी हुई इमारती लकड़ी मिली। परिवहन में उपयोग हो रहे वाहन और कटाई के उपकरण भी जब्त किए गए हैं। जांच में सामने आया कि तस्करी संगठित तरीके से की जा रही थी। सबसे चौंकाने वाला पहलू यह रहा कि लकड़ी की लोडिंग के लिए महिलाओं का इस्तेमाल किया जा रहा था। संगठन का आरोप है कि कार्रवाई के समय प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए महिलाओं को आगे किया गया।

गोपालगंज में उपनयन संस्कार में मुजरा का आरोप विधायक अनंत सिंह सहित नौ पर एफआईआर दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / पटना

गोपालगंज में उपनयन संस्कार के दौरान मुजरा कार्यक्रम आयोजित करने का मामला सामने आया है। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने मोकामा विधायक अनंत सिंह समेत 9 लोगों को नामजद किया है। एसएसपी विनय तिवारी के निर्देश पर एफआईआर दर्ज की गई है।

धार्मिक कार्यक्रम में नाच-गाने पर विवाद

पुलिस के अनुसार, गोपालगंज में उपनयन संस्कार के मौके पर वैदिक परंपरा की जगह खुलेआम नाच-गाने का आयोजन किया गया। वायरल वीडियो में बाहुबलियों की मौजूदगी भी दिखी। मामले ने बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने इसे सार्वजनिक आयोजन में अराजकता और शक्ति प्रदर्शन का मामला माना है।

अनंत सिंह समेत 9 नामजद

एसएसपी विनय तिवारी ने बताया कि मुजरा मामले में 9 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें मोकामा विधायक अनंत सिंह का नाम भी शामिल है। इससे पहले पुलिस ने जदयू विधायक अमरेंद्र पांडेय के खिलाफ जमीन कब्जा के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस का कहना है कि कानून सबके लिए समान है।

विनय तिवारी की छवि और सुशांत केस का जिक्र

गोपालगंज एसएसपी विनय तिवारी आईआईटी बीएचयू से बीटेक हैं। वे सुशांत सिंह राजपूत मामले की जांच के दौरान चर्चा में आए थे। 2020 में पटना पुलिस की टीम के साथ मुंबई भेजे जाने पर बीएमसी ने उन्हें क्वारंटीन कर दिया था। उस घटना ने उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाई। अब गोपालगंज में बाहुबलियों पर कार्रवाई को लेकर फिर चर्चा में हैं।

सरकार के सामने छवि की चुनौती

2005 के बाद बिहार ने कानून-व्यवस्था सुधार की जो छवि बनाई, उसे बनाए रखना सरकार के लिए चुनौती है। सार्वजनिक आयोजनों में बाहुबल और अराजकता के मामलों पर विपक्ष और जनता सवाल उठा रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सामने विकास और सख्त प्रशासन की छवि को जमीन पर कायम रखने की चुनौती है।

गोपालगंज वही जिला है जहां से कभी कांग्रेस के काली पांडेय और राजद के साधु यादव सांसद रह चुके हैं। पुलिस ने कहा कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। दोषियों पर कानून के अनुसार कार्रवाई होगी।

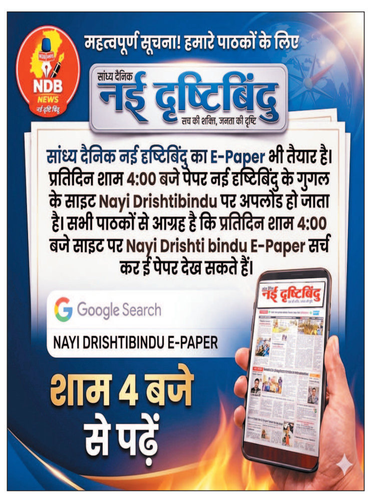

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने झालमुरी बांटकर मनाया जीत का जश्न

पार्टी की ऐतिहासिक विजय जन-जन के विश्वास, कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम व शीर्ष नेतृत्व के दूरदर्शी मार्गदर्शन का परिणाम

नई दृष्टिबिंदु / 00000000

पश्चिम बंगाल, असम और पांडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के गंजपारा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ झालमुरी बांटकर जीत का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं समर्थक उपस्थित रहे और एक-दूसरे को बधाई देते हुए अपनी खुशी व्यक्त की।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय जन-जन के विश्वास, कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम एवं शीर्ष नेतृत्व के दूरदर्शी मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल एक राजनीतिक

सफलता नहीं, बल्कि देश की जनता द्वारा विकास, सुशासन और राष्ट्रहित को सवोच्च प्राथमिकता देने का स्पष्ट संदेश है।

मंत्री श्री यादव ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में जो जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं, उनसे समाज के हर वर्ग को लाभ मिला है। यही कारण है कि आज देश के विभिन्न हिस्सों में जनता भाजपा के प्रति अपना विश्वास प्रकट कर रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने परिवर्तन का जो संकल्प लिया है, वह आने वाले समय में राज्य को नई दिशा और विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

इस दौरान गंजपारा कार्यालय में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया, आतिशबाजी की और एक-दूसरे को झालमुरी और मिठाई खिलाकर अपनी खुशी साझा की। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता, महिला मोर्चा की सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। मंत्री श्री यादव ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी से आगामी समय में भी इसी ऊर्जा और समर्पण के साथ जनसेवा में जुटे रहने का आह्वान किया।

विधायक चंद्राकर के निवास कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के निवास कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ जश्न मनाया। इस दौरान आतिशबाजी, ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री चंद्राकर ने इस जीत को कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और जन-जन के विश्वास की जीत बताया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, जो श्यामाप्रसाद मुखर्जी की कमर्भूमि रही है, वहां भाजपा की सफलता हर राष्ट्रभक्त के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने अपने 40 दिवसीय पश्चिम बंगाल प्रवास का उल्लेख करते हुए बताया कि मंतेश्वर विधानसभा क्षेत्र में घर-घर संपर्क कर केंद्र सरकार की योजनाओं और नरेंद्र मोदी के विकास मॉडल को जनता तक पहुंचाया गया, जिसका सकारात्मक परिणाम चुनाव में देखने को मिला।

खास खबर

शक्ति नगर तालाब और शहर में बढ़ते जल संकट को देखते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे कांग्रेसी नेतागण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में आज कांग्रेसियों ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर शहर में बढ़ते जल संकट और शक्ति नगर तालाब के खाली करने से जनता की परेशानी से अवगत कराया, बहुत जल्दी जल संकट को दूर करने की मांग की। जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि शहर के 40 वार्ड में जल संकट की स्थिति हो गई है पानी के लिए लोग परेशान हो रहे हैं और नगर निगम दुर्ग पानी की समस्या में उदासीनता बरत रहा है । अभी पूरी गर्मी बाकी है अभी से ये हाल है तो आगे क्या होगा ।

शक्तिनगर तालाब को भी वर्क आर्डर होने के पहले ही सफाई के नाम से पूरा खाली कर दिया गया इतने दिनों से तालाब खाली होने से वहां की जनता को निस्तार के लिए भी समस्या आ रही है नगर निगम से लगातार शिकायत, मांग करने के बाद भी महापौर और नगर निगम इस समस्या के लिए कोई भी समाधान नहीं कर रहे है । अगर जल्दी शहर में जल संकट की समस्या का निदान नहीं हुआ और कांग्रेस जनता के साथ नगर निगम के खिलाफ उग्र प्रदर्शन करेगी । ज्ञापन देने वालों में अल्ताफ अहमद, देव श्री साहू,राय सिंह दिकोला, प्रकाश देशलहरा , राजू भाटिया, गुरदीप भाटिया दुष्यंत देवांगन विमल यादव, अनीश राजा, रफीक खान, प्रकाश सीवानकर, राकेश ठाकुर सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित थे ।

सही दवा-शुद्ध आहार अभियान के तहत दुर्ग जिले में औषधि विक्रेताओं की सघन जांच, तीन फर्मों को नोटिस

दुर्ग। राज्य शासन द्वारा 11 मई 2026 तक सही दवा-शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के अंतर्गत 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित किये जाने हेतु प्रत्येक जिले में कार्यरत खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। औषधि शाखा द्वारा जांच अभियान के तृतीय चरण में स्वापक एवं मनः प्रभावी औषधियों की जांच के तहत नव्वा दिवस 05 मई को जिले में स्थित फटकर औषधि विक्रेताओं को चिन्हाकित कर क्रय-विक्रय संबंधित दस्तावेजों की जांच

करना शामिल है इसके तहत जिले में संचालित कुल 06 फुटकर औषधि विक्रेता मेसर्स जलाराम मेडिकोज, शंकर नगर, दुर्ग, मेसर्स जलाराम मेडिकल, मोतिपारा, दुर्ग, मेसर्स अमित मेडिकल, रेल्वे स्टेशन रोड, मेसर्स राम मेडिकल उतई, मेसर्स महिमा मेडिकल, उतई, मेसर्स मेडप्लस फार्मेसी, सुपेला, भिलाई का जांच/निरीक्षण किया गया एवं क्रय-विक्रय दस्तावेजों का परीक्षण कर मिलान किया गया तथा स्वापक एवं मनःप्रभावी औषधियों का सुक्षमता से निरीक्षण किया गया। उपरोक्त फर्मों में से 03 फर्मों में अनियमितता पाए जाने के कारण, कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए अग्रिम कायर्वाही की जाएगी एवं समस्त फर्मों को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियम 1945 का कड़ाई से पालन करते हुए फर्म संचालन के निर्देश दिये गए एवं भविष्य में भी इस तरह की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

सड़क दुर्घटनाएं आज समाज के लिए एक गंभीर चुनौती अधिकांश हादसे लापरवाही और नियमों की अनदेखी

सांसद बघेल ने सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों को दिलाई शपथ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली असामयिक मृत्यु के आंकड़ों पर गहरी चिंता व्यक्त की।

सांसद श्री बघेल ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं आज समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी हैं, जिनमें अधिकांश हादसे लापरवाही और नियमों की अनदेखी के कारण होते हैं। उन्होंने विशेष रूप से चार पहिया वाहन चालकों द्वारा सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने और दो पहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट न पहनने की प्रवृत्ति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि छोटी-सी लापरवाही किसी परिवार की खुशियों को छीन सकती है।

उन्होंने लोगों से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि जब भी कोई व्यक्ति घर से निकलता है, तो उसके परिवार के सदस्य उसके सुरक्षित लौटने का इंतजार करते हैं। ऐसे में यातायात नियमों का पालन करना केवल कानूनी बाध्यता ही नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

सांसद श्री बघेल ने नशे की हालत में वाहन चलाने वालों को भी कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि नशे में वाहन चलाना न केवल स्वयं के जीवन के लिए खतरा है, बल्कि अन्य लोगों की जान को भी जोखिम में डालता है। उन्होंने प्रशासन से इस पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने तथा आमजन को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली। सांसद श्री बघेल ने विश्वास जताया कि इस तरह के जनजागरूकता अभियानों से निश्चित रूप से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और लोगों का जीवन सुरक्षित होगा।

अंत में उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा सुरक्षित और जिम्मेदार नागरिक बनने का परिचय दें।

निगम आयुक्त सुमित ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के सम्मान में एक भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। निगम के मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में आयुक्त सुमित अग्रवाल ने 9 कर्मचारियों को शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की दीघर्कालिक सेवा की सराहना करते हुए कहा कि इन कमर्चारियों ने अपने कर्तव्यनिष्ठ कार्य और समर्पण से निगम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मठ कर्मचारियों को सम्मानित करना निगम के लिए गर्व की बात है।

सम्मानित होने वाले कर्मचारियों में वंदना श्रीवास्तव (सहायक ग्रेड-2), शीला यादव (सहायक शिक्षिका), पूनम सिंह (उच्च श्रेणी शिक्षिका), भूपत भारद्वाज (प्रभारी सहायक राजस्व निरीक्षक), करुणा देवांगन (भृत्य) एवं रुखमणी (सफाई कामगार) सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे, जिन्होंने विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त साथियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उनके कायर्काल को यादगार बताया। सभी ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, लेखाधिकारी रेवाराम मनु, स्वायत्तशासी कमर्चारी संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा, महामंत्री अनिल सिंह सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयुक्त ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

नगर पालिका बनेगा धमधा, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की घोषणा

उपमुख्यमंत्री ने धमधा में 7 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में दुर्ग जिले के धमधा नगर पंचायत पहुंचे उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने धमधा नगर पंचायत के नगर पालिका में उन्नयन की घोषणा की। धमधावासी लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। नगर पालिका के रूप में उन्नयन के बाद शहर को विकास कार्यों के लिए और ज्यादा मिलेगी तथा विकास कार्यों में तेजी आएगी। लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग को पूर्ण करने वाली उप मुख्यमंत्री श्री साव की इस घोषणा से धमधा के सुव्यवस्थित विकास तथा जनसुविधाएं विकसित करने के कामों को और अधिक गति मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने धमधा प्रवास के दौरान करीब 7 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसमें 4 करोड़ 60 लाख रुपए के कार्यों का लोकार्पण और 2 करोड़ 39 लाख रुपए के

कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। उन्होंने शहर के विकास के लिए 2 करोड़ रुपए देने की भी घोषणा की। श्री साव ने बताया कि विगत दो वर्षों में धमधा नगर पंचायत के विकास के लिए 13 करोड़ रुपए दिए गए हैं। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के विकास के लिए सक्रियता और गंभीरता से काम किए जा रहे हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, दुर्ग के सांसद विजय बघेल, विधायकगण डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, ईश्वर साहू और ललित चन्द्राकर

भी कार्यक्रम में शामिल हुए। तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, धमधा नगर पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती श्वेता अग्रवाल, उपाध्यक्ष ब्रिजेन्द्र दानी, जनपद पंचायत के अध्यक्ष लिमन साहू और पूर्व मंत्री जागेश्वर साहू सहित सुरेन्द्र कौशिक, जितेन्द्र वर्मा, प्रीतपाल बेलचंदन, पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधि भी इस दौरान मौजूद थे।

भिलाई में डेंगू-मलेरिया पर वार, नगर निगम भिलाई और स्वास्थ्य विभाग ने चलाया घर-घर अभियान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए नगर निगम भिलाई और जिला मलेरिया विभाग ने संयुक्त अभियान शुरू किया है। जोन-3 मदर टेरेसा नगर के वार्ड-35 शारदा पारा की कुष्ठ बस्ती और भैरव बस्ती में टीमों ने घर-घर जाकर गहन सर्वेक्षण किया। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देश पर यह कारर्वाई की गई।

कूलर-टंकी में मिला लार्वा, कराया खाली

विशेष दस्ते और सर्वेलेंस कार्यकर्ताओं ने घरों में कूलर, पानी की टंकियों, ड्रमों और पुराने कंटेनरों की जांच की। जहां भी मच्छरों का लार्वा मिला, जमा पानी तुरंत खाली कराया गया। लार्वा नियंत्रण के लिए एक्यूगार्ड का छिड़काव किया

गया। वयस्क मच्छरों को खत्म करने के लिए स्प्रेयर पंप से मैलाथियान का छिड़काव किया गया।

नालियों में भी डाला कीटनाशक

बस्तियों की पक्की और कच्ची नालियों में ठहरे पानी पर भी कीटनाशक डाला गया। टीम ने नागरिकों को मच्छरदानी का उपयोग करने की सलाह दी। घर के आसपास पानी न जमा होने देने और व्यक्तिगत सुरक्षा के उपाय बताए। बचाव संबंधी जानकारी वाले पाम्पलेट

भी बांटे गए।

निगम की अपील : सप्ताह में एक बार करें सफाई

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि घरों के आसपास सफाई रखें। सप्ताह में कम से कम एक बार कूलर और पानी के बतर्नों को सुखाकर साफ करें। इससे मच्छर जनित बीमारियों के प्रसार को रोका जा सकेगा।

वरिष्ठ नागरिकों समिति मरोदा के सदस्यों ने की धार्मिक यात्रा, अन्य स्थलों का किया भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वरिष्ठ नागरिक समिति मरोदा सेक्टर की ओर से धार्मिक यात्रा के तहत विभिन्न स्थलों के साथ मदकू द्वीप भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान सदस्य विभिन्न धार्मिक स्थलों तक भी पहुंचे और पूजा अचर्ना कर पुण्य लाभ लिया।

55 से अधिक लोगों के इस समूह में एन एल मौर्य "प्रीतम" सूचना एवं प्रसारण सचिव, कोषाध्यक्ष के आर देवांगन, सचिव जनकलाल साहू, अध्यक्ष उजियार सिंह पंवार, संस्थापक पी एल पाठे, पंचराम साहू और सभी पदाधिकारियों ने यात्रा की शुरुआत करते हुए चरोदा में मुक्तेश्वर शिव मंदिर एवं 51 शक्ति पीठ का दर्शन किया। समूह ने दामाखेड़ा कबीर आश्रम एवं मठ की यात्रा भी की। सदस्यों ने खारून और शिवनाथ नदी का प्रमुख संगम भी देखा।

सिमगा (बलौदाबाजार-भाटापारा जिला) के समीप लखना गांव में स्थित इस पवित्र संगम स्थल को सोमनाथ या शिवनाथ-खारून संगम के रूप में जाना जाता है, जहाँ एक प्राचीन शिव मंदिर भी स्थित है। इसी तरह समिति के सदस्य धरसीवां चरोदा स्थित मंदिर भी पहुंचे। सदस्यगण अपनी यात्रा के पड़ाव में ऐतिहासिक पर्यटन स्थल मदकू द्वीप भी पहुंचे। समिति के सदस्य एनएल मौर्य ने बताया कि पुरातात्विक उत्खनन में यहां 10 वीं 11 वीं सदी के 19 से अधिक प्राचीन मंदिरों के अवशेष मिले हैं।

वित्तमंत्री ने किया तर्रेम में बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा का वर्चुअल उद्घाटन, मिलेगी सहज बैंकिंग सुविधा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बीजापुर जिले के उसूर विकासखंड अंतर्गत तर्रेम ग्राम में आज बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ऑनलाइन जुड़कर कार्यक्रम में शामिल हुए और शाखा का शुभारंभ किया। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार राज्य सरकार की प्राथमिकता है। तर्रेम में बैंक शाखा खुलने से स्थानीय लोगों को अब बैंकिंग कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपने क्षेत्र में ही आसानी से सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

उन्होंने कहा कि इस पहल से ग्रामीणों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही शासकीय योजनाओं का लाभ भी सीधे और पारदर्शी रूप से हितग्राहियों तक पहुंचेगा। स्थानीय ग्रामीणों ने क्षेत्र में बैंक शाखा खुलने पर खुशी जताई और इसे अपने लिए बड़ी सुविधा बताया। इस अवसर पर बैंक के अधिकारी कमर्चारी एवं आम नागरिक उपस्थित थे।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी का कांकेर आगमन पर हुआ आत्मीय स्वागत

वित्त मंत्री ओपी चौधरी के कांकेर आगमन पर जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। कांकेर पहुंचने पर विधायक आशाराम नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और क्षेत्र में आगमन पर हर्ष व्यक्त किया। इस दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों की भी उपस्थिति रही। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए सतत कार्य कर रही है और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।

खास खबर

परियोजना पूरी होने से किसानों को मिलेगी सिंचाई की बड़ी सुविधा–वित्त मंत्री चौधरी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर जिले के विकासखंड लोहंडीगुड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत मटनार के आश्रित ग्राम मेदरी में निर्माणाधीन मटनार बैराज सह उद्वहन बहुउद्देशीय परियोजना का वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने निरीक्षण किया। यह परियोजना इंद्रावती नदी पर लगभग 1,269 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने परियोजना की प्रगति की जानकारी ली और को कार्य में गुणवत्ता एवं समय–सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना बस्तर अंचल के किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी।

परियोजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र के किसानों को व्यापक स्तर पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय में सुधार आएगा। साथ ही इस परियोजना से 21 मेगावाट बिजली उत्पादन भी किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को भी बल मिलेगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में सतत प्रयासरत है और इस तरह की योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने किया रामपुर स्थित एमएम हेचरी का निरीक्षण

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने बलौदाबाजार भाटापारा जिले के अंतर्गत ग्राम रामपुर स्थित एमएम मत्स्य हेचरी का निरीक्षण किया। उन्होंने हेचरी के विभिन्न यूनिट का अवलोकन करते हुए मत्स्य बीज उत्पादन की जानकारी ली। हैचरी में आधुनिक पद्धति से मत्स्य बीज उत्पादन एवं विपणन प्रक्रिया की सराहना की।

मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि एमएम हेचरी से वर्ष 2024 में मत्स्य बीज का उत्पादन प्रारम्भ हुआ है। यहां मोनोसेक्स तिलापिया प्रजाति की मत्स्य बीज उत्पादन इकाई लार्ज आरएएस, मिडिल आरएएस इकाई, मछली जेनेटिक्स सेंटर विकसित है। हेचरी में प्रमुख रूप से मोनोसेक्स तिलापिया मछली बीज का उत्पादन किया जाता है। 65 एकड़ जल क्षेत्र में विकसित हैचरी में मत्स्य बीज संवर्धन कर फ्राई एवं फिंगर लिंग तैयार कर विक्रय किया जा रहा है।

प्रतिवर्ष उन्नत किस्म के मोनोसेक्स तिलापिया 4 करोड़, पगेशियस 3 करोड़ एवं भारतीय प्रमुख सफर (रोहु, कतला, मृगल) 4 करोड़ मत्स्य बीज का उत्पादन किया जा रहा है। हैचरी से उन्नत किस्म के मत्स्य बीज को छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल इत्यादि राज्यों में विक्रय किया जाता है। इस दौरान संचालक मछलीपालन विभाग एमएस नाग, सहायक संचालक मछली पालन विनोद कुमार वर्मा, एमएम हेचरी संचालक दीपांशु मण्डल सहित अन्य अधिकारी–कर्मचारी मौजूद थे।

भक्त माता कर्मा जयंती में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

साहू समाज ने भक्त माता कर्मा के त्याग, सेवा व समर्पण को किया आत्मसात : अरुण साव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा केंद्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू मुंगेली जिले के ग्राम पौनी में भक्त माता कर्मा जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने भक्त माता कर्मा के त्याग, सेवा और समाज के प्रति समर्पण को स्मरण कर नमन किया। विधायक पुन्नूलाल मोहले भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में साहू समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भक्ति और समर्पण की प्रतीक भक्त माता कर्मा का जीवन हमें समाज सेवा की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा और समर्पण भारतीय संस्कृति में भक्ति का अद्भुत उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि इस पवित्र भूमि पर महान संत–महात्माओं ने जन्म लिया, जिनसे पूरे समाज को मार्गदर्शन मिला। ऐसे ही इस धरती में भक्त माता कर्मा का अवतरण हुआ। उन्होंने भक्ति के दम पर भगवान श्रीकृष्ण को प्रसन्न कर उन्हें खिचड़ी खिलाई।

श्री साव ने कहा कि साहू समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। भामा शाह जैसे महान दानवीर पैदा हुए हैं, उन्होंने अपने राज्य की रक्षा के लिए अपनी सारी संपत्ति दान कर दी। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और मेहनत साहू समाज की सबसे बड़ी ताकत है। सभी समाजों को साथ लेकर चलने की ताकत साहू समाज में है, इसे बरकरार रखना है। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा का विस्तार हुआ है, सबसे बड़े समाज को सबसे अच्छा समाज बनाना होगा। बच्चों को संस्कारवान और विचारवान बनाना है। आजकल बच्चों में संस्कार की कमी हो रही है। इसके लिए प्रत्येक परिवार को चिंता करनी है। देश में साहू समाज को जाना जाए, ऐसा कार्य करके दिखाना है।

केंद्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने अपने संबोधन में कार्यक्रम में मौजूद लोगों को माता कर्मा के बताए भक्ति मार्ग पर चलने की अपील की। पूर्व सांसद लखनलाल साहू, मुंगेली जिला साहू समाज के अध्यक्ष पुहुप राम साहू, संरक्षक बलदाऊ साहू, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, जनपद अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार और दीनानाथ केशरवानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, साहू समाज के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

मृदा स्वास्थ्य और संतुलित उर्वरक उपयोग पर हुई राज्यस्तरीय कार्यशाला

वैज्ञानिकों ने दी आधुनिक खेती की अहम सलाह

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने और मृदा स्वास्थ्य संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र, जशपुर में मृदा स्वास्थ्य एवं संतुलित उर्वरक उपयोग विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वर्ष 2026 की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की संयुक्त बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें जशपुर, रायगढ़, कोरबा एवं जांजगीर–चांपा जिलों के कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक शामिल हुए।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने मृदा परीक्षण के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि परीक्षण आधारित उर्वरक उपयोग से न केवल फसल उत्पादन में वृद्धि होती है, बल्कि भूमि की उर्वरता भी लंबे समय तक सुरक्षित रहती है। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के उपयोग और उसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश के संतुलित उपयोग के साथ जैविक खाद, हरी खाद एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व पर विशेष बल दिया गया। कायर्शाला में उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति भी किसानों को जागरूक किया गया। पीपीटी प्रस्तुति और प्रायोगिक प्रदर्शन के माध्यम से आधुनिक उर्वरक प्रबंधन तकनीकों की जानकारी साझा की गई, जिससे किसान बेहतर उत्पादन के साथ लागत में कमी ला सकें।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में विभिन्न जिलों के विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय कृषि चुनौतियों, अनुसंधान की आवश्यकताओं और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों और उन्नतशील किसानों की सक्रिय भागीदारी रही। उपस्थित कृषकों और अधिकारियों ने इस पहल को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने और कृषि क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे संयुक्त कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता जताई।

रायपुर की तरह बंगाल में घुसपैठियों पर होगा एक्शन, राज्य से बाहर किए जाएंगे : विजय शर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए चुनाव परिणामों और घुसपैठ के मुद्दे को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में घुसपैठ का मुद्दा लंबे समय से गंभीर बना हुआ है और यह सीमा सुरक्षा से जुड़ा विषय है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रेसवार्ता में कहा कि रायपुर सहित देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचे बांग्लादेशी घुसपैठिए पश्चिम बंगाल के रास्ते ही भारत में प्रवेश करते हैं। इस मुद्दे पर केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा, हमने अपने राज्य से घुसपैठियों को बाहर कर दिया है और जो बचे हैं, उन्हें भी बाहर किया जा रहा है।

उन्होंने दावा किया कि विभिन्न स्थानों से पकड़े गए और वापस भेजे गए लोग भी इसी मार्ग से भारत में दाखिल हुए थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्षों तक पश्चिम बंगाल सरकार ने सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों को जमीन उपलब्ध नहीं कराई, जिससे सुरक्षा उपाय प्रभावित हुए। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के घोषणापत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि सरकार बनने के शुरुआती 45 दिनों के भीतर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए आवश्यक भूमि केंद्रीय एजेंसियों को उपलब्ध करा दी जाएगी। इससे घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा और सीमा सुरक्षा मजबूत होगी।

विजय शर्मा ने पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वहां की जनता ने बदलाव के पक्ष में भारी जनादेश दिया है और भारतीय जनता पार्टी को बड़ी जीत मिली है। उन्होंने दावा किया कि जनता लंबे समय से घुसपैठ और कानून–व्यवस्था की स्थिति से परेशान थी। उन्होंने कहा कि नई सरकार जनता की उम्मीदों के अनुरूप काम करेगी और चुनाव के दौरान किए गए सभी वादों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। उनके अनुसार, आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में कानून का राज स्थापित होगा। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पहले राज्य में सरकारी तंत्र और राजनीतिक दफ्तरों के बीच की सीमाएं धुंधली हो गई थीं, लेकिन अब व्यवस्था को पारदर्शी और मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि भविष्य में शासन व्यवस्था किसी व्यक्ति या संगठन के प्रभाव से नहीं, बल्कि कानून के आधार पर संचालित होगी।

मोर गांव – मोर पानी महाअभियान से मोहला–मानपुर–अम्बागढ़ चौकी बना जल संरक्षण का मॉडल जिला

मनरेगा और विभिन्न योजनाओं के अभिसरण से जल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को मिली नई मजबूती

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य शासन के मोर गांव – मोर पानी महाअभियान अंतर्गत मोहला–मानपुर– अम्बागढ़ चौकी जिले ने जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए एक नया कीतिर्मान स्थापित किया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी अभिसरण से जिले में जल संवर्धन, भू–जल स्तर सुधार और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में व्यापक कार्य किए गए हैं।

जिले में बनीं 17 सौ से अधिक आजीविका डबरी

जल संरक्षण हमारी जिम्मेदारीह्व की थीम पर संचालित इस अभियान के तहत जिले में 1700 से अधिक आजीविका डबरी का निर्माण किया गया। प्रत्येक पंचायत में औसतन 9 डबरी विकसित कर जल संरक्षण को आजीविका संवर्धन से जोड़ने का अभिनव प्रयास किया गया है। सामुदायिक सहभागिता और जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से यह अभियान जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

पीएम आवासों में बने 2541 सोखता गड्ढे, 87 तलाबों का नवीनीकरण

वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रेरित कर 2541 सोख्ता गड्ढे का निर्माण कराया गया। इसके अलावा श्रमदान एवं जनसहभागिता से 175 बोरी बंधान, 3600 कंटूर ट्रेंच तथा 87 तालाबों का नवीनीकरण कर जल संरक्षण संरचनाओं को मजबूत किया गया। अभियान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए जिले में रैली, कलश यात्रा, शपथ एवं दीपदान जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

जल स्तर में 2.19 मीटर की हुई वृद्धि

जलदूत ऐप से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जिले में भू–जल स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। प्री मानसून 2024 की तुलना में प्री मानसून 2025 में जल स्तर में 1.81 मीटर तथा पोस्ट मानसून 2024 की तुलना में पोस्ट मानसून 2025 में 2.19 मीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़े अभियान की प्रभावशीलता और जिले में किए गए जल संरक्षण कार्यों की सफलता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

जिले के तीन विकासखण्ड अब सेफ कैटेगरी में

अभियान के सकारात्मक परिणामों के फलस्वरूप ग्रामीण विकास मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 23 सितम्बर 2025 के अनुसार जिले के तीनों विकासखंड, जो पूर्व में सेमी–क्रिटिकल श्रेणी में शामिल थे, अब ह्लसेफ ब्लॉकह्व की श्रेणी में वर्गीकृत किए गए हैं। यह उपलब्धि मोहला–मानपुर–अम्बागढ़ चौकी जिले में सामूहिक प्रयास, जनसहभागिता और प्रभावी जल प्रबंधन की एक प्रेरणादायी मिसाल बनकर उभरी है।

संपादकीय

पीएम मोदी ने देश का राजनीतिक नक्शा ही बदल दिया

देश में सबसे सफल राजनीतिक नेता उसे ही माना जाता है जो राजनीति में आने के बाद एक के बाद दूसरा चुनाव जीतकर देश का राजनीतिक नक्शा पूरी तरह बदल दे। पीएम मोदी ऐसे ही नेता हैं। उनके राष्ट्रीय राजनीति में आने के बाद देश का जो राजनीतिक नक्शा था आज 12 साल बाद वह नक्शा पूरी तरह बदल गया है। देश के राजनीतिक नक्शे को देखा जाए तो 75 प्रतिशत नक्शा भगवा हो गया है। मात्र 12 साल में देश के 75 प्रतिशत नक्शे भगवा कर देना ऐतिहासिक सफलता है। भाजपा के पुरानी पीढ़ी के नेता पूरे देश व राज्यों में भाजपा के शासन का सपना देखा करते थे। पीएम मोदी भाजपा के वह नेता है जिन्होंने अपने पहले के नेताओं के सपने को पूरा किया है। आज भाजपा नेता गर्व से कह सकते हैं कि बंगाल में भाजपा के जीतने के बाद और तमिलनाडु में द्रमुक के हारने के बाद पीएम मोदी को हराने वाला कोई नेता नहीं बचा है।

देश में दो ही राज्य ऐसे थे जहां के नेता अब तक यह दावा किया करते थे कि वह पीएम मोदी हराने वाले नेता हैं। एक ममता बैनर्जी यह दावा किया करती थी वही इस देश में ऐसी नेता हैं जिसने भाजपा को बंगाल मे तीन बार हराया है, पीएम मोदी को तीन बार हराया है। दूसरे तमिलनाडु के स्टालिन दावा करते थे उनके रहते भाजपा तमिलनाडु जीत नहीं सकती ।स्टालिन को भले ही भाजपा व पीएम मोदी ने नहीं हराया है, उनको टीवीके ने हराया है तो इस आधार पर कहा जा सकता है कि अब तमिलनाडु में भाजपा व पीएम मोदी को हराने वाला नेता नहीं है ।अब तो यह कहा जा रहा है कि पीएम मोदी को हराने का दावा करने वाले की पार्टी तो बंगाल में चुनाव हारी ही है, वह अपने विधानसभा क्षेत्र से चुनाव हार गए हैं। चाहे स्टालिन हो या ममता हो दोनों के लिए यह बहुत ही शर्म की बात है कि वह अपने विधानसभा क्षेत्र में ही चुनाव हार गए। दोनों अपनेअपने राज्य के सीएम और दोनों ही चुनाव हार गए तो इससे बुरी हार तो और कोई हो नहीं सकती। सरल शब्दों में कहा जाए तो दोनों की हार तो नाक कट जाने जैसी है।

पं.बंगाल में जनता किसी राजनीतिक दल या नेता को हमेशा सिर पर बिठाने की पक्षधर नहीं रहती है, वह जब किसी राजनीतिक दल को मौका देती है तो खूब मौका देती है, ताकि राजनीतिक दल को शिकायत न रहे की राज्य के विकास के लिए जनता ने उसे मौका नहीं दिया। कांग्रेस को आजादी के बाद से सबसे बड़ा मौका दिया लेकिन पं. बंगाल की जनता को उससे विकास की जितनी उम्मीद थी वह उम्मीद कांग्रेस कई दशकों में पूरी नहीं कर सकी तो जनता ने उसे हटाकर वामपंथी दलों को मौका दिया। तीन दशक तक जनता ने चुनाव में जिताया लेकिन जब देखा कि यह राज्य का अपेक्षित विकास नहीं कर पा रहे हैं और राज्य की राजनीति को बदल कर हिंसा की राजनीति कर दिया है तो जनता ने फिर बदलाव किया। वामपंथियों के इस वहम को तोड़ दिया कि जनता उन पर सबसे ज्यादा भरोसा करती है। जनता किसी राजनीतिक दल पर तब तक ही भरोसा करती है जब तक वह राज्य हित व जनहित में काम करता है जैसे कोई राजनीतिक दल अपने लक्ष्य से भटक जाता है तो जनता उसे सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा देती है ।वामपंथियों के बाद बंगाल की जनता को ममता से बड़ी उम्मीदें थी लेकिन पंद्रहवें साल में जनता को टीएमसी व ममता में वह सब बुराई दिखाई देनी लगी थी जिसे जनता पसंद नहीं करती है ।अहंकार, भ्रष्टाचार व परिवारवाद। इन तीनों बुराई के कारण ही ममता को जनता ने सबसे कम मौका दिया है और सत्ता से 15 साल में उतार दिया है।

इस बार के चुनाव ने जिस तरह बंगाल की राजनीति को पूरा बदल दिया है, ठीक वैसे ही तमिलनाडु की राजनीति भी इस चुनाव के बाद बदल गई है। माना जाता है कि छह दशकों से तमिलनाडु की राजनीति में दो ही राजनीतिक दलों की प्रमुख भूमिका रही। सत्ता में द्रमुक या अद्रमुक दोनों में से कोई एक रहता था। दोनों पारी पारी से चुनाव जीतकर सरकार बनाते आ रहे थे पिछली बार यह क्रम द्रमुक ने तोड़ दिया था वह लगातार दूसरी बार चुनाव जीती और फिर से उनकी सरकार बनी। ऐसा अद्रमुक के कमजोर होने के कारण हुआ। अद्रमुक व भाजपा द्रमुक का विकल्प नहीं बन पा रहे थे इसलिए पिछली बार जनता ने द्रमुक को फिर से चुना था इस बार भी ऐसा ही लग रहा था कि जनता के सामने द्रमुक का कोई विकल्प नहीं है, इसलिए जनता तीसरी बार द्रमुक को चुन सकती है लेकिन इस बार एक नए राजनीतिक दल टीवीए के चुनाव मैदान में होने के कारण जनता ने द्रमुक का विकल्प उसे चुना यानी जनता द्रमुक से नाराज थी और जैसे उसका विकल्प उसे मिला जनता ने द्रमुक को सत्ता से बाहर कर दिया है. इसी के साथ तमिलनाडु की द्रविड राजनीति पर सवालिया निशान लग गया है। पीएम मोदी के समय काम के लिए तो याद किया ही जाएगा, देश व राज्यों की राजनीति में बदलाव के लिए भी याद किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ की जड़ी-बूटियों से महकेगा नारी शक्ति का स्वावलंबन

औषधि पादप बोर्ड की नई कार्ययोजना से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं ग्रामीण महिलाएं

धनंजय राठौर संयुक्त संचालक जनसंपर्क रायपुर, अशोक चंद्रवंशी सहायक जनसंपर्क अधिकारी रायपुर

छत्तीसगढ़ के वनांचल की गोद में छिपी अमूल्य औषधि संपदा अब केवल स्वास्थ्य का आधार नहीं, बल्कि प्रदेश की नारी शक्ति के आर्थिक स्वावलंबन का नया अध्याय बन रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन की जिस परिकल्पना को साकार कर रही है, उसे वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड धरातल पर उतार रहा है। गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, और शतावरी जैसी महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों से अर्क और उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं।

पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक पहचान

वनांचल में बिखरे पारंपरिक ज्ञान को महज एक स्मृति न रहने देने के संकल्प के साथ बोर्ड ने इसे वैज्ञानिक पद्धति से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसके तहत उन स्थानीय वैद्यों और जानकारों का चिन्हांकन शुरू किया गया है, जिनके पास असाध्य रोगों के उपचार का अद्भुत ज्ञान है। बोर्ड का प्रयास इन महिलाओं को एक उचित मंच प्रदान करना है, ताकि उनकी विशेषज्ञता का लाभ समाज को मिले और वे स्वयं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ कर सकें। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उस विरासत का सम्मान है जिसे ग्रामीण महिलाओं ने सदियों से सहेजकर रखा है। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक जड़ी-बूटी और जनजातीय ज्ञान को अब आधुनिक विज्ञान के माध्यम से नई पहचान मिल रही है। राज्य के वनों में छिपे औषधीय खजाने को वैज्ञानिक आधार पर प्रमाणित कर, उसे आजीविका के साधन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

संग्रहण से प्रसंस्करण तकर- उद्यमिता की नई उड़ान

आर्थिक मोर्चे पर सबसे बड़ा बदलाव तब दिखाई दे रहा है, जब जड़ी-बूटियों का संग्रहण करने वाली महिलाएं अब संग्राहक से आगे बढ़कर निर्माता की भूमिका में नजर आ रही हैं। बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, महिला स्व-सहायता समूहों को औषधि प्रसंस्करण के उन्नत गुर सिखाए जा रहे हैं। यह पहल न केवल औषधीय पौधों का संरक्षण कर रही है, बल्कि वनवासियों और लघु वन उपज संग्राहकों की आय में वृद्धि करके उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है। छत्तीसगढ़ में 1500 से अधिक सक्रिय वैद्यों के ज्ञान को सहेजने और जड़ी-बूटियों के विपणन के लिए छत्तीसगढ़ जनजातीय स्थानीय स्वास्थ्य परंपराएं और औषधीय पादप बोर्ड सक्रिय रूप से काम कर रहा है। यह संस्था हर्बल उत्पादों की खेती, मूल्य संवर्धन, और मार्केटिंग में तकनीकी सहायता और सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करती है।

मूल्य संवर्धन

छत्तीसगढ़ में जड़ी-बूटी मूल्य संवर्धन एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से राज्य के समृद्ध वन संसाधनों को वैज्ञानिक तरीके से संसाधित करके उनके आर्थिक मूल्य को बढ़ाया जा रहा है। राज्य सरकार 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' ब्रांड के तहत इन उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। जब ये महिलाएं वनों से प्राप्त कच्ची सामग्री को साफ कर, सुखाकर उसे चूर्ण, अर्क या तेल के रूप में परिवर्तित करती हैं, तो उत्पाद की कीमत और गुणवत्ता कई गुना बढ़ जाती है। इस मूल्य संवर्धन का सीधा आर्थिक लाभ उनके बैंक खातों तक पहुँच रहा है, जिससे बिचौलियों का वर्चस्व पूरी तरह समाप्त हो गया है। गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, और शतावरी जैसी महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों से अर्क और उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। 65 से अधिक लघु वन उपज प्रजातियों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी और उनका प्रसंस्करण किया जा रहा है। यह पहल छत्तीसगढ़ को एक प्रमुख हर्बल स्टेट के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो परंपरा और आधुनिक तकनीक का संगम है।

छत्तीसगढ़ हर्बल्स को वैश्विक पहचान

छत्तीसगढ़, जिसे 'बूटिगढ़' भी कहा जाता है, अपने घने जंगलों, विशेषकर बस्तर में 160 से अधिक प्रकार की दुर्लभ जड़ी-बूटियों का प्राकृतिक खजाना है। यहाँ की मिट्टी में अश्वगंधा, सपर्गंधा, गोक्षुरा (गोखरू), कुटकी और तिखुर जैसी औषधियां पाई जाती हैं, जो स्वास्थ्य और जीवन शक्ति के लिए प्रसिद्ध हैं । बाजार की चुनौतियों को अवसर में बदलते हुए बोर्ड ने विपणन तंत्र को पारदर्शी बनाया है। प्रदेश के छत्तीसगढ़ हर्बल्स ब्रांड को सशक्त करने के लिए प्रदर्शनियों और रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से इन उत्पादों को सीधे शहरी उपभोक्ताओं तक पहुँचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के व्होकल फार लोकल और मुख्यमंत्री के लखपति दीदी अभियान को सफल बनाने में यह रणनीति संजीवनी का कार्य कर रही है।

नर्सरी प्रबंधन और स्थानीय रोजगार

जड़ी बूटियों को किचिन गार्डन, होम गार्डन में खिड़की, बालकनी, टेरिस पर गमलों, या अन्य कंटेनरों में कभी भी उगाया जा सकता है। कंटेनर गार्डनिंग या ग्रो बैग में जड़ी-बूटियां उगाने का एक फायदा यह भी है कि जड़ी बूटी को उसकी जरूरत के आधार पर मिट्टी, पोषक तत्व, सूर्य प्रकाश और नमी के स्तर को नियंत्रित किया जा सकता है तथा गमलों में उगाई गई प्रत्येक जड़ी-बूटी (हर्ब) को उसकी आदर्श स्थितियाँ दे सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण और आजीविका के बीच संतुलन बनाने के उद्देश्य से औषधीय पौधों की मदर नर्सरी विकसित करने की जिम्मेदारी महिला समूहों को सौंपी जा रही है। इससे दुर्लभ जड़ी-बूटियों की प्रजातियों को विलुप्त होने से बचाया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर महिलाओं के लिए बारहमासी रोजगार के द्वार खुल गए हैं, जिससे वनांचल से होने वाले पलायन पर भी अंकुश लगा है।

समृद्ध नारी, सशक्त छत्तीसगढ़

राज्य शासन का यह समेकित दृष्टिकोण इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री की मंशानुरूप बोर्ड केवल एक प्रशासक की नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। सामूहिक नेतृत्व और संस्थागत सुधारों पर जोर देने से आज छत्तीसगढ़ की बेटियां आत्मनिर्भर बन रही हैं। वनांचल की महिलाओं के चेहरे पर उपजी मुस्कान एक समृद्ध और स्वावलंबी छत्तीसगढ़ की सच्ची तस्वीर पेश कर रही है।

जीवन में मनुष्य को भक्ति कैसे ईश्वर का अनुभव कराती है

ईश्वर का अनुभव भगवान का अनुभव करने के लिए, हमें भगवान और हमारे साथ उनके रिश्ते के बारे में कुछ बातें जाननी होंगी। हमारे लिए भगवान के तीन मुख्य रोल हैं। पहला है धर्म (सबसे ऊंचे सिद्धांत) के आधार पर दुनिया को जारी रखना। यहां मुख्य बात कर्मफल सिद्धांत है, जिसका मतलब है: जैसा बोओगे वैसा काटोगे। दूसरा है, भगवान की ओर मुड़ने वाले सभी लोगों की जरूरत के हिसाब से मदद करना। तीसरा है भक्तों की ज़िंदगी को माइक्रोमैनेज करना ताकि उन्हें मुक्ति की ओर ले जाया जा सके। भगवान यह सब करने के लिए अपनी इच्छा शक्ति (दिव्य इच्छाशक्ति) का इस्तेमाल करते हैं।

भगवान सभी आत्माओं की आजाद इच्छा का सम्मान करते हैं — उनके हिस्से (भगवद गीता 15.7)। क्या भगवान कृष्ण ने अर्जुन को महाभारत युद्ध में तभी शामिल नहीं किया था जब अर्जुन मान गया था, यह कहते हुए कि वह वही करेगा जो भगवान ने उससे करने के लिए कहा है, यानी धर्म को बनाए रखने के लिए लड़ना? भगवान किसी खास भक्त के हिसाब से अपना जवाब बदलते हैं। मेरे मामले में, मेरे भगवान को मुक्ति की खास जगह पाने के लिए मुझे काबिल बनाने में मदद करने के लिए बहुत कुछ सुधारना है। सिर्फ.स्वामी विवेकानंद जैसे बहुत ऊँचे भक्त ही इसे काफी कम उम्र में पा लेते हैं।

दूसरों के लिए, क्रियमाण (जो अभी किया जा रहा है) बहुत जरूरी है। स्वभाव (नेचर) में बदलाव पर ध्यान देना होगा। क्या हमारे अलग-अलग अतीत की वजह से हममें से हर एक का नेचर अलग नहीं होता? भगवान मुक्ति देने से पहले, नेचर के ठीक हो जाने पर, बाकी प्रारब्ध (जमा हुए कर्मफल) को हटा देते हैं। अब, भगवान को महसूस करने के बारे में: सबसे पहली चीज जो आपको करनी है, वह है 24x7 उनका साथ। मंदिर में ऐसा करना प्रैक्टिकल नहीं है, लेकिन किसी अवतार की बड़ी तस्वीर से यह मुमकिन है। आपको यह भी पक्का करना होगा कि तस्वीर ऐसी हो कि भगवान की आँखें इस तरह से पेंट की गई हों कि वे आपको फॉलो करती हुई लगें और आप जो कुछ भी कर रहे हैं उसे देख रही हों। यह तस्वीर उस कमरे में लगानी चाहिए जहाँ आप अपना ज़्यादातर समय बिताते हैं। मेरे मामले में, यह मेरा बेडरूम है, जहाँ मैंने अपनी वर्कटेबल भी रखी है।

अब इस बात का एहसास करें कि भगवान आपको देख रहे हैं। वह देखते हैं, चाहे आपको इसका एहसास हो या न हो। भगवान कृष्ण ने साफ-साफ कहा है कि उनकी नजर हर जगह है (भगवद गीता 13.14)। यह एक अच्छी शुरुआत है। अब आपको जो भी चाहिए, उसके लिए प्रार्थना करना शुरू करें। याद रखें, अगर आपकी प्रार्थनाएँ धर्म के जरा भी खिलाफ हैं, तो भगवान खुश नहीं होंगे। साथ ही, कुछ आध्यात्मिक अभ्यास शुरू करें, जैसे भगवान के नामों का जाप करना - आपके मामले में, आपके चुने हुए अवतार का नाम। अब, आपके और भगवान के बीच एक बातचीत हो गई है। यह आपके लिए जो भी करें, उसमें मार्गदर्शन और मदद लेने का अच्छा समय है। भगवान जवाब देंगे क्योंकि आपने इसके लिए सभी जरूरी शर्तें पूरी कर ली हैं।

आपको हैरानी होगी, क्योंकि भगवान बातचीत करने के लिए कई माध्यमों और तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। मेरे मामले में, मेरे भगवान आमतौर पर मुझसे सुबह जल्दी बात करते हैं। इसके अलावा, सहज ज्ञान रेगुलर आता है। मेरी पवित्रता की हद तय करती है कि मैं कितना ग्रहणशील हूँ। ज़िंदगी ने एक शानदार मोड़ ले लिया है; जब भी मैं भगवान की ओर मुड़ता हूँ, तो मैं उनके साथ का अनुभव और आनंद ले पाता हूँ।

एग्री स्टैक : भारत की डिजिटल कृषि क्रांति

डॉ. देवेश चतुर्वेदी, पूर्व सचिव कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है। इस क्षेत्र में कुल श्रमशक्ति का लगभग 46 प्रतिशत हिस्सा जुटा हुआ है। पिछले दशक में सरकार की ओर से उत्पादन/उत्पादकता बढ़ाने, फसलों के विविधीकरण, खेती की लागत में कमी लाने, कृषि उत्पादों की बेहतर कीमत अर्जित करने, जलवायु के अनुकूल ढालने और जोखिमों को कम करने की बहुआयामी रणनीति के जरिए किसानों की आय बढ़ाने के ठोस प्रयास किए गए हैं।

केन्द्र प्रायोजित या केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के जरिए किसानों को विभिन्न सेवाओं या लाभों की निर्बाध, पारदर्शी और कुशल आपूर्ति संघीय या राज्य स्तर की सरकार की प्राथमिकता है। कुल कृषि भूमि का स्वामित्व और उस भूमि पर बोई गई फसलों का इतिहास किसी भी योजना के लाभ के लिए किसी भी किसान (चाहे वह मालिक हो, पट्टेदार हो या फिर बटाईदार हो) की पात्रता के आकलन की जरूरी शर्त है। हालांकि, देश भर में भूमि से संबंधित प्रशासन में पायी जाने वाली व्यापक भिन्नताएं एक बड़ी चुनौती पेश करती हैं।

स्वामित्व और बुवाई से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों को संकलित करने वाले एक मानकीकृत किसान डेटाबेस के महत्व एवं जरूरत को पहचानते हुए, सरकार ने वर्ष 2024 में डिजिटल कृषि मिशन की शुरुआत की। किसानों के इस डेटाबेस को मजबूत सहमति तंत्र के साथ गतिशील रूप से अद्यतन किया जाता है। एग्री स्टैक, इस डिजिटल कृषि मिशन का एक प्रमुख स्तंभ है। यह अब इस मिशन के एक मौन लेकिन सशक्त परिवर्तनकारी स्तंभ के रूप में उभर रहा है। इसमें तीन विवरणी (रजिस्ट्री) - खेत, किसान और बोई गई फसल - शामिल हैं। एग्री स्टैक भारत की कृषि से जुड़ी यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत का इशारा करता है। एक ऐसा अध्याय, जो प्रधानमंत्री के 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लक्ष्य के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

खेत वाली रजिस्ट्री में भौगोलिक संदर्भों के आधार पर कृषि भूखंडों का डेटाबेस शामिल होता है। इनमें से प्रत्येक भूखंड को एक अनूठी कृषि आईडी प्रदान की जाती है। दूसरी परत में, प्रत्येक भूमि के मालिक किसान को एक अनूठी फार्म आईडी प्रदान की जा रही है। इस आईडी में स्वामित्व वाली प्रत्येक भूखंड से संबंधित जरूरी जानकारियों के साथ-साथ सह-स्वामित्व के मामले में हिस्सेदारी का उल्लेख भी शामिल है। यह डेटा अधिकार अभिलेख (रिकॉर्ड ऑफ राइट्स) से गतिशील रूप से जुड़ा हुआ है ताकि विरासत, बिक्री आदि के कारण स्वामित्व में हुआ कोई भी बदलाव किसान रजिस्ट्री में अद्यतन हो जाए। तीसरी परत में प्रत्येक भूखंड पर बोई गई फसल का विवरण शामिल होता है। यह विवरण बुवाई पूरी होने के बाद प्रत्येक फसल के मौसम में किए गए डिजिटल/तकनीक आधारित फसल सर्वेक्षण के जरिए हासिल किया जाता है।

केन्द्र सरकार ने विभिन्न समझौता ज्ञापनों के जरिए 35 राज्यों और केन्द्र- शासित प्रदेशों के साथ साझेदारी की है। इस डिजिटल मिशन को केन्द्र और राज्य के बीच मजबूत सहयोग के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है। इसमें पूर्ण समावेशन सुनिश्चित करते हुए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

एग्री स्टैक एक संघीय डेटाबेस है जिसका स्वामित्व राज्यों/केन्द्र-शासित प्रदेशों के पास है, लेकिन केन्द्र सरकार सेवाओं की आपूर्ति और डेटा विश्लेषण के लिए इसका उपयोग कर सकती है। इसका उद्देश्य प्रत्येक किसान के लिए एक सत्यापित डिजिटल पहचान बनाना, उस पहचान को सटीक रूप से मैप किए गए भूखंड से जोड़ना और प्रत्येक मौसम में उगाई जाने वाली फसलों को दर्ज करना है। यह स्टैक नियमों पर आधारित एवं स्वचालित सेवा वितरण को विभिन्न योजनाओं और भौगोलिक क्षेत्रों में संभव बनाता है। इससे किसानों को बार-बार अपनी पहचान, भूमि स्वामित्व या फसल के विवरण को साबित करने की जरूरत नहीं होती है। इसमें गोपनीयता और डेटा संरक्षण संबंधी कानूनों के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए किसानों से संबंधित जानकारी तक पहुंच एक मजबूत सहमति तंत्र के जरिए होती है।

कागजी रिकॉर्ड से डिजिटल आधार तक

दशकों तक, कृषि संबंधी प्रशासन कागजी अभिलेखों और मैनुअल सर्वेक्षण पर बहुत अधिक निर्भर रहा। यह अक्सर नागरिकों के लिए उत्पीड़न और भ्रष्टाचार का कारण बनता था। एग्री स्टैक इस पुरानी परंपरा से हटकर एक क्रांतिकारी बदलाव लाता है। किसानों की पहचान का डिजिटलीकरण करके और उन्हें भूमि एवं फसल के आंकड़ों से जोड़कर, यह भारतीय कृषि की एक विश्वसनीय और नई तस्वीर पेश करता है।

अब तक 9 करोड़ से अधिक किसान आईडी का सृजन इस सफर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये डिजिटल आईडी एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में कार्य करते हैं। इससे किसानों को बार-बार सत्यापन के बिना कई सेवाओं का लाभ उठाने में मदद मिलती है और लेन-देन की लागत कम हो जाती है। सरकारी एजेंसियों की दृष्टि से, ये आईडी लाभार्थियों की पहचान में होने वाली त्रुटियों को कम करते हैं और लाभ का सही लाभार्थियों तक पहुंचना सुनिश्चित करने में सहायक साबित होते हैं। हालांकि, यहां यह स्पष्ट किया जाता है कि एग्री स्टैक की शुरुआत मुख्य रूप से किसानों को विभिन्न योजनाओं के लाभ उठाने के लिए सशक्त बनाने के इरादे से की गई है, लेकिन यह भूमि के रिकॉर्ड या भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र की जगह नहीं लेगा। भले ही अधिकार अभिलेख (रिकॉर्ड ऑफ राइट्स) के साथ इसका जुड़ाव प्रामाणिकता सुनिश्चित करता हो।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण : फसल की वास्तविक जानकारी

वर्ष 2025-26 में, 24 राज्यों ने 600 से अधिक जिलों में लगभग 30 करोड़ भूखंडों पर मोबाइल उपकरणों, जियोटैगिंग और सैटेलाइट की मदद से डिजिटल फसल सर्वेक्षण किया। यह सर्वेक्षण पारंपरिक विधियों से हटकर एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पारंपरिक विधियां अक्सर धीमी होती थीं और उनमें विसंगतियों या त्रुटियों की गुंजाइश अधिक रहती थी।

यह डेटा उपज का अनुमान लगाने, खरीद की योजना बनाने और बाजार से संबंधित पूर्वानुमान लगाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाता है। यह सूखे, बाढ़ या कीटों के कारण फसल पर पड ? वाले दबाव की शीघ्र पहचान करके आपदा की तैयारी को भी ठोस बनाता है। किसानों के लिए, बेहतर डेटा समय पर एवं फसल-विशेष से जुड़ी सलाह और गड़बड़ होने पर त्वरित सहायता प्रदान करता है।

सहयोग एवं समावेशन पर आधारित इकोसिस्टम

देश भर में भूमि से जुड़े प्रशासन में मौजूद विविधता को ध्यान में रखते हुए, इस संरचना में स्थानीय जरूरतों के अनुरूप इसे अनुकूलित करने का अंतर्निहित लचीलापन है। साथ ही, अंतरसंचालनीयता सुनिश्चित करने हेतु सामान्य मानकों को बनाए रखा गया है ताकि राज्यों और केंद्रीय प्रणालियों के बीच डेटा का निर्बाध आदान-प्रदान संभव हो सके।

उदाहरण के तौर पर, कुछ ऐसे राज्य हैं जहां दशकों से भूमि के रिकॉर्डों को अद्यतन नहीं किया गया है और पूवर्जों के नाम अभी भी दर्ज हैं। भूमि के रिकॉर्डों को अद्यतन करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन इस बीच, मृतक मालिकों के नाम पर दर्ज भूमि पर खेती करने वाले उत्तराधिकारी किसानों को राजस्व विभाग द्वारा सत्यापन के बाद किसान आईडी जारी किया जा सकता है ताकि लाभों की निरंतरता सुनिश्चित हो सके। जहां भी राज्य के कानून अनुमति देते हैं और राज्य सहमत होते हैं, वहां मजबूत स्वामी-प्राधिकरण तंत्र के साथ, बटाईदारों और किरायेदार किसानों को भी विशिष्ट योजना के लाभों को हासिल करने के लिए शामिल किया जा सकता है। उत्तर-पूर्वी राज्यों में, जहां सामुदायिक स्वामित्व का वर्चस्व है, भू-निर्देशांक-आधारित प्रमाणीकरण प्रथागत रीति-रिवाजों को बाधित किए बिना समावेशन की अनुमति देता है।

इससे किसानों को कैसे लाभ होगा?

किसानों के लिए, डिजिटल व्यवस्था का मतलब है कम फॉर्म भरना, स्थानीय कार्यालयों में कम चक्कर लगाना और सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं तक पहुंचने में अधिक पारदर्शिता। भूमि के स्वामित्व और फसलों के इतिहास के अद्यतन विवरणों वाले विश्वसनीय डिजिटल रिकॉर्ड बैंकों और बीमाकर्ताओं को जोखिम का आकलन करने और किसानों की जरूरतों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने में समर्थ बनाते हैं। एग्री स्टैक में किसान संगठनों को मजबूत करने की क्षमता है। सत्यापित डेटा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को उपज एकत्रित करने, बेहतर कीमतों के लिए बातचीत करने और कायर्शील पूंजी तक अधिक आसानी से पहुंच हासिल करने में मदद कर सकता है।

भूमि से जुड़े डेटा को फसलों की बुवाई और मिट्टी की सेहत से संबंधित विवरणों से लैस करने से कृषि के विस्तार में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता है, क्योंकि अब किसानों की जरूरतों के अनुरूप सलाह तैयार और प्रसारित की जा सकती है। वह भी बहुत कम लागत पर। किसान स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर बुवाई के सवोत्तम समय, सिंचाई कार्यक्रम, पोषक तत्वों के प्रयोग और कीट प्रबंधन के बारे में व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

प्रशासन और नीतिगत प्रक्रिया पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

एग्री स्टैक शासन की प्रक्रियाओं में सुधार लाने और साक्ष्य-आधारि व डेटा-संचालित नीति निर्माण को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रावधान के कारण नीति निर्माताओं के पास फसल पैटर्न पर नजर रखने, आपूर्ति और मांग के बीच के अंतर का अनुमान लगाने और मूल्य अस्थिरता को रोकने के लिए समय पर हस्तक्षेप करने हेतु सटीक और समय पर डेटा उपलब्ध होता है।

एक बार किसान की पहचान, भूमि के स्वामित्व और बोई गई फसल का डिजिटल सत्यापन हो जाने के बाद, नकद या वस्तु के रूप में सब्सिडी वितरण, फसल बीमा, खरीद या ऋण आदि से संबंधित लेनदेन डिजिटल रूप से सुचारू रूप से किए जा सकते हैं। आधार-आधारित भुगतान गेटवे लाभ को सही लाभार्थी तक पहुंचना सुनिश्चित करते हैं। यह संशोधित प्रणाली सार्वजनिक व्यय का स्पष्ट डिजिटल रिकॉर्ड बनाकर पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाती है।

यह देखा गया है कि केन्द्र और राज्य स्तर पर विभिन्न मंत्रालयों और कुछ मामलों में तो एक ही मंत्रालय के विभिन्न विभागों ने भी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए अपने-अपने किसान डेटाबेस विकसित किए हैं। एग्री स्टैक एक साझा लेकिन सावभौमिक डिजिटल माध्यम विकसित करके इस तरह के स्व-निर्मित डेटाबेस की सीमाओं को तोड़ता है ताकि कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारी समितियां, राजस्व, खाद्य, उर्वरक, ऋण और बीमा प्रणालियां एक ही सत्यापित डेटा का उपयोग करके कार्य कर सकें। इससे न केवल परिचालन संबंधी दक्षता बेहतर होती है, बल्कि किसानों पर विभिन्न योजनाओं के लाभ प्राप्त करने के लिए कई पोटर्लों पर पंजीकरण करने का बोझ भी कम होता है।

कई राज्यों ने एग्री स्टैक के उपयोग को सफलतापूर्वक लागू किया है। छत्तीसगढ़ ने पिछले खरीफ सीजन के दौरान एमएसपी आधारित धान की खरीद के लिए किसानों का पंजीकरण सुचारू रूप से करने हेतु एग्री स्टैक का उपयोग किया। मध्य प्रदेश ने पीएमएएसएचए के तहत सोयाबीन किसानों को मूल्य घाटे के आधार पर सहायता प्रदान करने हेतु इस डेटाबेस का उपयोग किया। महाराष्ट्र आपदा राहत सहित अपने सभी डीबीटी आधारित लाभों के लिए एग्री स्टैक का उपयोग कर रहा है।

नवाचार को प्रोत्साहित करना

एग्रीस्टैक की खुली और मानकीकृत संरचना नवाचार के लिए एक इकोसिस्टम प्रदान करता है। खासकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के लिए। जैसे-जैसे यह स्टैक परिपक्व होता जाता है, स्टार्टअप के लिए फसलों से जुड़े डेटा, मौसम संबंधी पूर्वानुमान और बाजार की कीमतों को उपयोगकर्ता के अनुकूल टूल में संयोजित करने वाले एप्लिकेशन बनाने के अवसर खुलते जाते हैं। वित्त मंत्री ने अपने हालिया सार्वजनिक भाषणों में एग्री स्टैक को "भारत की अगली बड़ी उपलब्धि" और "यूपीआई जैसी अगली क्रांति" के रूप में पेश किया है। भारत आत्मनिर्भरता और दुनिया का खाद्य भंडार बनने की दिशा में अग्रसर है। ऐसे में एग्री स्टैक एक दूरदर्शी सुधार है। इस सुधार के तहत डेटा किसानों को सशक्त बनाता है, तकनीक शासन को मजबूत करती है और सहयोग प्रगति को गति देता है।

अरूणाचल प्रदेश के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने किया कौरिनभाठा महुआ प्रसंस्करण केंद्र का भ्रमण

पौष्टिक उत्पादों की गुणवत्ता और स्वाद की अतिथियों ने की प्रशंसा, समूह की महिलाओं के प्रयासों को बताया अनुकरणीय

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में संचालित वन धन विकास केंद्र कौरिनभाठा (महुआ प्रसंस्करण केंद्र) की कार्यप्रणाली और महिला सशक्तिकरण के मॉडल को देखने अरूणाचल प्रदेश वन विभाग का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल पहुंची। इस प्रवास के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र में महुआ और अन्य लघु वनोपजों से बनाए जा रहे उत्पादों की सराहना की और समूह की महिलाओं के प्रयासों को अनुकरणीय बताया।

इस भ्रमण दल में मुख्य रूप से अध्यक्ष अरूणाचल प्रदेश वन निगम लिमिटेड नालोंग मिजे, विधायक नामसाई चौ जिंगनु नामचूम, उपाध्यक्ष अरूणाचल प्रदेश वन निगम लिमिटेड टीजी बाकि एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरूणाचल प्रदेश पी. सुब्रमण्यम उपस्थित रहे।

वनमंडलाधिकारी आयुष जैन ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत किया और उन्हें महुआ प्रसंस्करण केंद्र के विभिन्न विभागों का अवलोकन कराया। केंद्र की महिला समूह सदस्य श्रीमती भारती, श्रीमती शीतल, श्रीमती मीना एवं अन्य साथियों ने मेहमानों को विस्तार से महुआ से विभिन्न उत्पाद तैयार करने के संबंध में जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र में तैयार महुआ लड्डू, महुआ एनर्जी बार, महुआ शरबत, महुआ जूस, कोदो कुकीज और रागी कुकीज का स्वाद लिया। इन पौष्टिक उत्पादों की गुणवत्ता और स्वाद की अतिथियों ने प्रशंसा की। प्रतिनिधिमंडल ने समूह की महिलाओं की मेहनत और लगन से प्रभावित होकर अरूणाचल प्रदेश वन निगम लिमिटेड की ओर से 10 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। इसके अतिरिक्त प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र के बाहर स्थित छत्तीसगढ़ हर्बल्स आउटलेट से 4120 रूपए के हर्बल उत्पादों की खरीदी भी की।

केंद्र के प्रबंधक देवेश जंघेल ने अतिथियों को वहां स्थापित अत्याधुनिक मशीनों की तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वन धन विकास योजना के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक स्तर ऊंचा उठ रहा है। उन्होंने चर्चा के दौरान बताया कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि उड़ीसा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बाद अब अरूणाचल प्रदेश के प्रतिनिधि भी यहां आकर समूह का मनोबल बढ़ा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय लोगों को भी अपनी इस उपलब्धि के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। यह प्रवास छत्तीसगढ़ की लघु वनोपज प्रसंस्करण तकनीक और महिला समूहों की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी पहचान के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर में उप प्रबंध संचालक जिला यूनियन राजनादगांव योगेन्द्र गण्डेचा एवं वन विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

खास खबर

ऑनलाइन सट्टा : फरार दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस के दबाव में किया सरेंडर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-धमधा

ऑनलाइन सट्टा संचालन के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को धमधा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की लगातार दबिश और छापेमारी के चलते दोनों आरोपियों ने थाने में आत्मसमर्पण किया। पुलिस रिमांड पर पूछताछ के बाद आज उन्हें न्यायिक रिमांड के लिए कोर्ट में पेश किया गया। थाना धमधा में अपराध क्रमांक 193/2025 धारा 7(2) जुआ एक्ट के तहत ऑनलाइन सट्टा संचालन का केस दर्ज था। घटना के बाद से आरोपी नीतिश गुप्ता, उम्र 35 वर्ष, निवासी बनियापारा धमधा और अमित शर्मा, उम्र 46 वर्ष, निवासी ग्राम बिरझापुर फरार चल रहे थे। पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने अवैध रूप से ऑनलाइन सट्टा संचालित कर आर्थिक लाभ अर्जित किया था। प्रकरण में पहले ही जप्ती की कार्रवाई की जा चुकी है। आरोपियों से पुलिस रिमांड लेकर पूछताछ की गई।

थाना स्टाफ की भूमिका सराहनीय

इस कार्रवाई में थाना धमधा पुलिस स्टाफ की सतत पता-तलाश, तकनीकी विश्लेषण और छापेमारी की अहम भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि अवैध ऑनलाइन सट्टा, जुआ और साइबर अपराधों से दूर रहें। ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बीएसपी एससी-एसटी एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर आर डी कोरी फिर निविरीध निर्वाचित

भिलाई। सेल भिलाई इस्पात संयंत्र अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, निःशक्त, महिला एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा में आर डी कोरी को पांच वर्ष के लिए पुनः अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। बैठक सेक्टर-1 स्थित डॉ. आंबेडकर पार्क में आयोजित हुई।

2009 से संभाल रहे जिम्मेदारी : आर डी कोरी वर्ष 2009 से संस्था का कामकाज देख रहे हैं। वे भिलाई इस्पात संयंत्र के साथ समस्त कार्मिकों के हितों और कल्याण के लिए कार्यरत हैं। आरडी कोरी संस्था के संस्थापक सदस्य भी हैं।

नई कार्यकारिणी घोषित : बैठक में नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। उपाध्यक्ष पद पर पन्नालाल मैरिसा, सचिव सुदामा नेताम, कोषाध्यक्ष प्रकाश चौधरी, संयुक्त सचिव डी.आर. सोनवानी निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में बी. कोरलैया और जोगेश्वर राव का चयन किया गया।

कार्मिकों में खुशी का माहौल : नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा के बाद कामिर्को और भिलाई बिरादरी में उत्साह का माहौल है। एसोसिएशन के सदस्यों और संयंत्र कर्मियों ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी है। यह एसोसिएशन संयंत्र की एकमात्र पंजीकृत मान्यता प्राप्त संस्था है।

रायपुर के रावाभाठा में घर से देसी बम बनाने का संदिग्ध सामान बरामद, बम स्क्वॉड पहुंचे मौके पर

रायपुर। राजधानी के रावाभाठा वार्ड नंबर-13 स्थित एक घर से देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाला संदिग्ध सामान, तार और अन्य सामग्री मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही रायपुर नार्थ थाना पुलिस और बम स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मकान समेत आसपास के पूरे इलाके को घेर लिया है। बम स्क्वॉड ने संदिग्ध सामग्री को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मौके पर मौजूद लोगों और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है।

प्रारंभिक जांच में देसी बम बनाने से जुड़ी सामग्री मिलने की बात सामने आ रही है। पुलिस का कहना है कि फॉरेंसिक टीम भी बुलाई गई है। सामान की प्रकृति और मात्रा की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मकान मालिक और वहां रहने वालों से पूछताछ चल रही है। सामग्री कहां से आई और किस मकसद से रखी गई थी, इसकी जांच की जा रही है। इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस ने लोगों से अफवाहों से बचने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

विकास में महंत राजा दिग्विजय दास और रानी सूयर्मुखी देवी का रहा विशेष योगदान : डॉ. सिंह

सूयर्मुखी देवी राजगामी सम्पदा न्यास की नवनियुक्त अध्यक्ष पूर्णिमा व उपाध्यक्ष मनोज ने किया पदभार ग्रहण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की उपस्थित में आज स्पीकर हाऊस राजनांदगांव में श्रीमती सूयर्मुखी देवी राजगामी सम्पदा न्यास राजनांदगांव की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती पूणिर्मा साहू एवं उपाध्यक्ष मनोज निर्वाणी ने हस्ताक्षर कर पदभार ग्रहण किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने श्रीमती सूयर्मुखी देवी राजगामी सम्पदा न्यास राजनांदगांव की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती पूणिर्मा साहू एवं उपाध्यक्ष मनोज निर्वाणी को नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में स्वतंत्रता के पहले 565 से अधिक रियासतें थी। उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश के एकीकरण का कार्य किया। राजनांदगांव के तत्कालीन महंत राजा दिग्विजय दास ने विलय पत्र पर सबसे पहले हस्ताक्षर किए। उन्होंने रेलवे लाईन एवं औद्योगिक विकास के लिए जमीन दान में दी, जिससे राजनांदगांव में विकास की गति बढ़ी। यह उनकी व्यापक सोच का परिणाम है कि उन्होंने अपनी संपत्ति एवं महल शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया, जहां आज शासकीय दिग्विजय कालेज है। महंत राजा दिग्विजय दास एवं रानी सूयर्मुखी देवी को स्मरण किया। उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष से कहा कि आगे भी वे जिले में अच्छे कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाएं तथा विकास में अपना योगदान दें।

श्रीमती सूयर्मुखी देवी राजगामी सम्पदा न्यास राजनांदगांव की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती पूणिर्मा साहू ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को कोटिशः धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वे कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्रभावना के साथ कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने का प्रतिसाद मिला है। प्रेरणा, व्यक्तित्व निर्माण के साथ ही राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि श्रीमती सूयर्मुखी देवी राजगामी सम्पदा न्यास राजनांदगांव की विरासत को संभालने का अवसर मिला है। शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनका योगदान रहा। श्रीमती पूणिर्मा साहू ने अपने जीवन के संषर्घो का स्मरण किया तथा उपलब्धि मिलने पर अपने माता-पिता को याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल नीलू शर्मा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल योगेशदत्त मिश्रा, अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव सचिन बघेल, उपाध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक भरत वर्मा, कोमल सिंह राजपूत, खूबचंद पारख, संतोष अग्रवाल, पुरूषोत्तम गांधी, रमेश पटेल, भावेश बैद, जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा सहित विभिन्न समाज के पदाधिकारी तथा वरिष्ठजन, अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन श्रीमती सूयर्मुखी देवी राजगामी सम्पदा न्यास राजनांदगांव के नवनियुक्त उपाध्यक्ष मनोज निर्वाणी ने किया। कार्यक्रम का संचालन अमर लालवानी द्वारा किया गया।

बसंतपुर पुलिस की कार्रवाई : चाकू लेकर दहशत फैला रहे तीन युवक गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

बसंतपुर पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आम जगह पर धारदार चाकू लहराकर लोगों को डराने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लोहे के चाकू बरामद हुए हैं। तीनों को आर्म्स एक्ट के तहत जेल भेज दिया गया है।

ब्लैक पैंथर टीम ने पकड़ा : पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राठौर व नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के निर्देशन में रात्रि ब्लैक पैंथर टीम ने यह कार्रवाई की। सूचना के आधार पर थाना बसंतपुर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से तीनों आरोपियों को पकड़ा। आरोपी सार्वजनिक स्थान पर चाकू लेकर लोगों को भयभीत कर रहे थे।

गिरफ्तार आरोपी : गिरफ्तार आरोपियों में भरत पटेल, उम्र 18 वर्ष, दानिश खान कुरैशी, उम्र 22 वर्ष और देवी साहू, उम्र 21 वर्ष शामिल हैं। तीनों अटल आवास पेण्ड्री और पेण्ड्री थाना लालबाग क्षेत्र के निवासी हैं।

आदतन अपराधी निकला देवी साहू : पुलिस के अनुसार आरोपी देवी साहू आदतन अपराधी है। इसके खिलाफ थाना लालबाग और कोतवाली में पहले से कई मामले दर्ज हैं। इनमें धारा 294, 323, 506, 34 भादवि और आर्म्स एक्ट के प्रकरण शामिल हैं। बीएनएस की धाराओं में भी मामले दर्ज हैं।

न्यायालय में पेश कर भेजा जेल : आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 202/2026, 203/2026, 204/2026 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। तीनों को न्यायालय में पेश कर जिला जेल राजनांदगांव भेज दिया गया।

टीम का सराहनीय कार्य : इस कार्रवाई में निरीक्षक एमन साहू, उपनिरीक्षक इब्राहिम खान, सहायक उपनिरीक्षक गोवर्धन देशमुख, प्रधान आरक्षक महेन्द्र साहू, महिला आरक्षक मेनका साहू, आरक्षक रूपेन्द्र वर्मा, राजेश बंदेश्वर और रात्रि ब्लैक पैंथर टीम के अमित सोनी व प्रितेश कामड़े की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने कहा कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

महिला क्रिकेट : रायगढ़ की रूखसाना खातून और वीरता चौहान का छत्तीसगढ़ की संभावित टीम में चयन

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

बीसीसीआई की ओर से महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के तहत आयोजित सीनियर और अंडर-23 चैलेंजर ट्रॉफी के लिए छत्तीसगढ़ की संभावित टीम घोषित कर दी गई है। रायगढ़ की दो खिलाड़ी रूखसाना खातून और वीरता चौहान का ईस्ट जोन की टीम में चयन हुआ है। दोनों संभावित टीम में मैच खेलेंगी।

5 जोन में बंटी टीमें, टी-20 फॉर्मेट में होंगे मुकाबले

जिला क्रिकेट संघ के सचिव रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि अंडर-23 और सीनियर महिला टीम के चयन के लिए 5 जोन की टीमें बनाई गई हैं। इनमें ईस्ट जोन, रेस्ट जोन, नॉर्थ जोन, साउथ जोन और सेंट्रल जोन शामिल हैं। रूखसाना और वीरता का चयन ईस्ट जोन के लिए हुआ है। सभी मैच टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे। हर टीम 4 मैच खेलेगी। प्रदर्शन के आधार पर छत्तीसगढ़ की अंडर-23 और सीनियर महिला टीम का गठन किया जाएगा।

भिलाई में होंगे मैच : चैलेंजर ट्रॉफी के सभी मुकाबले भिलाई के कल्याण कॉलेज मैदान और सेक्टर-10 मैदान में खेले जाएंगे।

जिला संघ ने दी बधाई

रूखसाना और वीरता के चयन पर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष संतोष पाण्डेय, सचिव रामचन्द्र शर्मा, किशोर पटनायक, पंकज बोहिदार, संतोष मिश्रा, महेश्वर मिश्रा, जफर उल्लाह सिद्धीकी, वरिष्ठ अम्पायर विशाल सिंघानिया, महेश वर्मा, कोषाध्यक्ष आशीष शर्मा, महेन्द्र साव, राजा गोरख, अभिषेक गुप्ता, शानू भयानी, हिमांशु चावड़ा, महेश दधिची, चंद्रेश यादव, संतोष गुप्ता समेत अन्य पदाधिकारियों ने प्रसन्नता जताई है। सभी ने दोनों खिलाड़ियों को आने वाले मैचों के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

खैरागढ़ में दुर्ग संभागीय शतरंज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, बौद्धिक खेल की परंपरा को मिला नया आयाम

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

खैरागढ़ जी.एच. रायसोनी मेमोरियल के तहत दुर्ग संभाग स्तरीय एक दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता का मंगलवार को सरस्वती शिशु एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में गरिमामय शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक यशोदा वर्मा के करकमलों से हुआ जबकि अध्यक्षता दुर्ग शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह ने की।वही विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य निलांबर वर्मा एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष संदीप सिरमौर उपस्थित थे।

आयोजन में दुर्ग संभाग के सभी सात जिलों यथा दुर्ग, बेमेतरा, बालोद, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-चौकी, कबीरधाम (कवर्धा) तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (केसीजी) से विभिन्न आयु वर्ग के महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन जी.एच. रायसोनी स्पोर्ट्स एंड कल्चरल फाउंडेशन के सहयोग से जिला शतरंज संघ, केसीजी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य शतरंज संघ के तत्वावधान में किया गया।। प्रतियोगिता में कुल 30,000 रुपये की पुरस्कार राशि के साथ ट्रॉफी, मेडल एवं मोमेंटो प्रदान किए गए। मुख्य 10 पुरस्कारों के अतिरिक्त विभिन्न आयु वर्ग, श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी, श्रेष्ठ स्थानीय खिलाड़ी, दिव्यांग एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए भी विशेष श्रेणियां निर्धारित की गई।

इतिहास व बौद्धिक परंपरा का हुआ संगम

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि विधायक यशोदा वर्मा ने शतरंज को केवल खेल नहीं बल्कि मानसिक अनुशासन, एकाग्रता और दूरदर्शिता का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि शतरंज व्यक्ति को जीवन के हर मोड़ पर रणनीतिक सोच और संतुलित निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। विशिष्ट अतिथि नीलांबर वर्मा ने शतरंज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस खेल की उत्पत्ति प्राचीन भारत में चतुरंग के रूप में हुई, जो समय के साथ विश्वभर में विकसित होकर आधुनिक शतरंज बना। उन्होंने कहा कि यह खेल भारतीय बौद्धिक परंपरा का प्रतीक है और आज भी वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान को सुदृढ़ करता है।

आयोजन ने बढ़ाया भावी पीढ़ी में खेल चेतना का स्तर

कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन कर रहे पत्रकार संघ के संरक्षक अनुराग शांति तुरे ने शतरंज के सामाजिक एवं बौद्धिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह खेल नई पीढ़ी को धैर्य, विश्लेषण क्षमता और रणनीतिक सोच विकसित करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने इसे जीवन प्रबंधन का भी प्रभावी माध्यम बताया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में जिला शतरंज संघ के पदाधिकारियों जिनमें अध्यक्ष सद्दाम हुसैन, उपाध्यक्ष यतेंद्रजीत सिंह "छोटू", सचिव रॉकी देवांगन, कोषाध्यक्ष शेख जाहिद, सदस्य रिजवान सोलंकी तथा निर्णायक मंडल के अनिल शर्मा एवं दिव्यांशु उपाध्याय, सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पोटिया मार्ग पर सरपंच की लापरवाही बनी हादसों की वजह, शराब दुकान के कारण बढ़ी भीड़ में जान जोखिम में

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

पोटिया गांव रोड मार्ग और कोड़ियां मार्ग के बीच सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से मुरूम डंप किए जाने से क्षेत्र में लगातार हादसों का खतरा बढ़ता जा रहा है। ग्राम पंचायत पोटिया गांव के सरपंच नारायण निषाद की लापरवाही अब आम लोगों की जान पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस मार्ग पर मुरूम डाली गई है, उसी रोड पर शराब दुकान भी स्थित है। शाम होते ही इस मार्ग पर लोगों और वाहनों की भारी भीड़ लग जाती है। ऐसे में सड़क पर फैली मुरूम दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण दे रही है। खासकर बाइक चालक और राहगीर सबसे ज्यादा परेशान हैं। कई वाहन चालक अचानक फिसलकर गिर रहे हैं, जिससे आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिना सुरक्षा व्यवस्था और बिना चेतावनी संकेत लगाए सड़क पर मुरूम डाल दी गई, जिससे रात के समय स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। लोगों का कहना है कि शराब दुकान के कारण शाम के समय रोड पर दबाव बढ़ जाता है और उसी बीच सड़क पर फैली मुरूम लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही है।

क्षेत्रवासियों में पंचायत प्रशासन के खिलाफ भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने मांग की है कि तत्काल सड़क से मुरूम हटाई जाए, मार्ग को सुरक्षित बनाया जाए और इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले व्यवस्था सुधारी जा सके।

बंद पड़े वाटर एटीएम हुआ चालू, गर्मी में राहगीरों को मिलेगी राहत

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

नगर पालिका अहिवारा क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़े वाटर एटीएम को आखिरकार फिर से शुरू कर दिया गया है। नगर पालिका सीएमओ प्रवीण गहलोत के मार्गदर्शन एवं पहल पर यह सुविधा दोबारा चालू होने से आम नागरिकों और राहगीरों को भीषण गर्मी में शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 7 स्थित रेलवे क्रॉसिंग तथा वार्ड क्रमांक 9 टाउनशिप मार्केट नंदिनी नगर में लगाए गए वाटर एटीएम कई वर्षों से बंद पड़े थे, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। गर्मी बढ़ने के साथ ही क्षेत्रवासियों द्वारा लगातार इन वाटर एटीएम को पुनः चालू करने की मांग की जा रही थी।

नगर पालिका प्रशासन द्वारा आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्य कराने के बाद दोनों स्थानों पर वाटर एटीएम को पुनः शुरू कर दिया गया है। अब यहां राहगीरों, मजदूरों, बाजार आने वाले लोगों और आसपास के नागरिकों को आसानी से स्वच्छ एवं ठंडा पानी मिल सकेगा। स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में यह सुविधा लोगों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। वहीं नगर पालिका प्रशासन ने भी नागरिकों से सार्वजनिक सुविधाओं का संरक्षण करने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है।

अनन्या ने दिखाईं दिलकश अदाएं

[illegible]

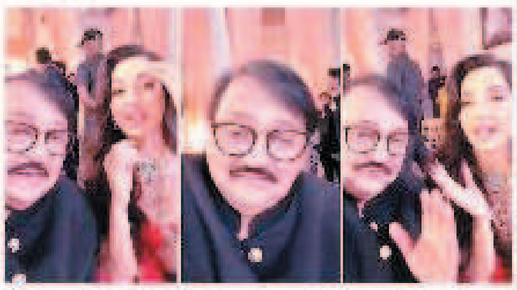

नोरा फतेही के साथ डांस करते दिखे राकेश बेदी

[illegible]

हिट हो सकता है राकेश बेदी और नोरा फतेही का डांस वीडियो

[illegible]

[illegible]

रणवीर बचपन से ही बनना चाहते थे एक्टर

[illegible]

इस फिल्म ने बदल दी किस्मत

[illegible]

महज 13 साल में कर दिखाया यह कारनामा

[illegible]

हॉरर फिल्म 'तुम्बाड़ 2' में नए ट्विस्ट के साथ होगी आलिया की एंट्री

[illegible]

बड़ा बजट, बड़े स्तर पर तैयार हो रही फिल्म

[illegible]

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत, कार्यकर्ताओं ने रश्मि विजय शर्मा के साथ झालमुड़ी खाकर मनाई खुशियां

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक और प्रचंड जीत के बाद पूरे देश के साथ-साथ कबीरधाम जिले में भी उत्साह और जश्न का माहौल देखने को मिल रहा है। कवर्धा विधायक कार्यालय में पूर्व जिला पंचायत सदस्य व स्थानीय विधायक विजय शर्मा की धर्म पत्नी श्रीमती रश्मि विजय शर्मा ने इस अभूतपूर्व विजय उल्लास के अवसर पर बंगाल की संस्कृति की परिचायक झालमुड़ी के साथ साथी कार्यकर्ताओं के मिलकर खुशियां मनायी।

विदित हो कि कवर्धा विधायक व उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा को पश्चिम बंगाल के इस चुनाव में विशेष दायित्व सौंपा गया था जिसमे वे शत प्रतिशत खरे उतरे भाजपा समथर्कों ने विधायक कार्यालय में ढोल-नगाड़ों की धुन, देशभक्ति के नारों और आतिशबाजी के साथ पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया गया।

इस अवसर पर श्रीमती रश्मि विजय शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं को झालमुड़ी और मिठाई खिलाकर

बधाई दी और कहा कि यह जीत देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व, संगठन की सुदृढ़ रणनीति और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों, सुशासन और जनहितकारी योजनाओं पर जनता ने एक बार फिर मुहर लगाई है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल में कमल खिलना केवल एक राजनीतिक जीत नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रवाद, विकास और पारदर्शी शासन की विचारधारा की विजय है।

श्रीमती शर्मा ने यह भी कहा कि भाजपा का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाना है और यही कारण है कि देशभर में जनता का भरोसा लगातार पार्टी पर बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इसी उत्साह और समर्पण के साथ संगठन को और मजबूत करने में जुटे रहें तथा सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं। जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत देश की जनता के विश्वास और विकास की राजनीति की जीत है। उन्होंने कहा कि यह सफलता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी नीतियों और सुशासन का परिणाम है। अब देश के हर कोने में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है, जिसका असर चुनाव परिणामों में साफ दिखाई देता है। जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा उमंग पाण्डेय ने कहा कि बंगाल में कमल खिलना युवाओं की सोच में आए बदलाव और भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा की जीत है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है और आने वाले समय में देशभर में भाजपा और अधिक मजबूती के साथ उभरेगी।

कार्यक्रम में भगत पटेल, महामंत्री नितेश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष श्रीमती सतविंदर पाहुजा, श्रीमती अनिता धर्वे, नरेन्द्र मानिकपुरी, मनीराम साहू, खिलेश्वर साहू, पार्षद अजय ठाकुर, बिहारी धुर्वे, नीतीश चंद्रवंशी, गोलू यादव, ज्योति केशरवानी, सानू साहू, बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी एवं समर्थकगण उपस्थित रहे।

सीएम साय ने किया बच्चे का नामकरण, 'रविशंकर' नाम से गूंजा गांव का आंगन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कबीरधाम जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा बाहुल्य ग्राम कमराखोल (ग्राम पंचायत लोखान) में आगमन एक आत्मीय और भावनात्मक प्रसंग का साक्षी बना। आम के पेड़ की छांव में खाट पर बैठकर जब मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाई, तो वहां का वातावरण पूरी तरह से अपनत्व और विश्वास से भर गया। शासन और जनता के बीच की दूरी इस सहज संवाद में पूरी तरह समाप्त होती नजर आई।

इसी दौरान ग्राम की निवासी श्रीमती ऋषि बघेल अपने एक माह के शिशु को गोद में लेकर मुख्यमंत्री के पास पहुंचीं और अत्यंत विनम्रता से अपने पुत्र का नामकरण करने का आग्रह किया। यह एक साधारण निवेदन था, लेकिन उसमें ग्रामीण जीवन की सादगी, विश्वास और आत्मीय जुड़ाव की गहराई साफ झलक रही थी।

मुख्यमंत्री ने भी पूरे स्नेह और संवेदनशीलता के साथ इस आग्रह को स्वीकार किया और बच्चे के जन्म दिवस के बारे में जानकारी ली। जब श्रीमती बघेल ने बताया कि बालक का जन्म रविवार के दिन हुआ है, तो मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए उस नवजात का नाम रविशंकर रखा। नामकरण के इस क्षण ने वहां उपस्थित सभी ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी की चमक बिखेर दी। जैसे ही यह नाम घोषित हुआ, पूरा चौपाल स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और एक उत्सव जैसा माहौल बन गया। इस दौरान पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा उपस्थित रही।

यह दृश्य जनप्रतिनिधि और आमजन के बीच गहरे विश्वास का प्रतीक भी बन गया। इस आत्मीय क्षण ने सुशासन तिहार की मूल भावना को और अधिक सशक्त रूप से प्रस्तुत किया, जहां शासन केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं, बल्कि लोगों के जीवन के सुख-दुख में सहभागी बनकर उनके साथ खड़ा होता है। मुख्यमंत्री साय का यह सहज और मानवीय व्यवहार यह दर्शाता है कि सुशासन का वास्तविक अर्थ लोगों के जीवन से जुड़कर उनकी भावनाओं को समझना और उन्हें सम्मान देना है।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने सुनीं जनता की समस्याएं

आम जनता की समस्याओं का निराकरण करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल ने सुशासन तिहार के अंतर्गत जनपद पंचायत बेमेतरा के ग्राम पंचायत मोहरेंगा में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में शिरकत की। मंत्री श्री बघेल की अगुवाई में विभागीय अधिकारियों के द्वारा आम नागरिकों को विभागीय योजनाओं ,सेवाओं, कार्यक्रमों की जानकारी देने के साथ ही हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभांवित किया गया। प्राप्त आवेदनों का तत्काल शिविर स्थल पर ही यथासंभव निराकरण किया गया। मंत्री श्री बघेल ने शिविर में उपस्थित आमजनों से सीधा संवाद किया और उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय होने हेतु प्रेरित किया।

आवेदन की महत्ता

उन्होंने नागरिकों को समझाया कि अपनी समस्याओं और मांगों को लिखित आवेदन के माध्यम से प्रस्तुत करें। उन्होंने जोर दिया कि जागरूक होकर ही शासन की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ लिया जा सकता है।

अधिकारियों को सख्त निर्देश

प्रशासनिक अमले को संबोधित करते हुए मंत्री बघेल ने कार्यप्रणाली में सुधार और संवेदनशीलता लाने के निर्देश दिए। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि शासेन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुंचे, किस दिशा में सभी अधिकारी जवाबदेही के साथ कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ समाज के सबसे निचले स्तर (अंतिम छोर) पर बैठे व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। अधिकारियों को केवल कागजी कार्यवाही के बजाय धरातल पर ठोस पहल और त्वरित गति से कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही जन समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी गई।

शिविर का उद्देश्य बताया

मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व जिला स्तर के अधिकारी शिविर में उपस्थित होकर आम नागरिकों की समस्याएं सुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का मूल उद्देश्य प्रशासन को जनता के द्वार तक लाना है, ताकि आम जनता को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। मौके पर ही समस्याओं का सत्यापन और निराकरण हो सके। पात्र हितग्राहियों का चयन कर उन्हें तत्काल लाभान्वित किया जा सके। मंत्री जी ने स्पष्ट किया कि विकास की दौड़ में कोई भी नागरिक पीछे न छूटे, यही सरकार की प्राथमिकता है।

समस्याओं का मौके पर निराकरण

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी शिकायतें और मांग पत्र लेकर पहुँचे। मंत्री बघेल ने एक-एक कर आवेदकों से मुलाकात की। प्राप्त आवेदनों में प्रमुख रूप से राशन कार्ड, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास, बिजली आपूर्ति और कृषि संबंधी समस्याएं शामिल रहीं।

राशन कार्ड : नए राशन कार्ड बनवाने और नाम जुड़वाने संबंधी आवेदनों पर मंत्री जी ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्रता अनुसार तत्काल कार्रवाई की जाए।

राजस्व मामले :नामांतरण और सीमांकन के लंबित मामलों को समय सीमा के भीतर सुलझाने के निर्देश दिए गए।

पेयजल एवं बिजली : भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल आपूर्ति दुरुस्त रखने और बिजली कटौती की समस्याओं का समाधान करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

शिविर में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि प्रशासन आम जनता की हितों के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का निराकरण हो और उन्हें अपनी समस्याओं से निजात मिले यह शासन की सवोच्च प्राथमिकता में शामिल है। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आम जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुने और निराकरण करें। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि आम जनता के साथ जवाबदेही सुनिश्चित नहीं करने पर संबंधित विभाग और अधिकारी पर कार्यवाही की जाएगी। सभी अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का महती क्रियान्वयन करने निर्देशित किया गया।

मंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभांवित किया

मंत्री दयाल दास बघेल एवं कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने विभिन्न योजनाओं से लाभांवित हितग्राहियों को लाभांवित किया।4 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित किया गया। इसी प्रकार 6 हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र से लाभांवित किया गया। 3 हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड वितरित किया गया। 05 किसानों को किसान किताब वितरित किया गया, साथ ही 05 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया गया।

टीबी मुक्त ग्राम और जिला बनाने लिया संकल्प

मंत्री दयाल दास बघेल एवं कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने टीबी मुक्त ग्राम और जिला बनाने के लिए उपस्थित नागरिकों को शपथ दिलाया। नागरिकों ने शपथ लिया कि मैं शपथ लेता हूं की जानकारी की रोशनी से टीवी के दर को मिटाऊंगा/मिटाऊंगी। सतकर्ता की ताकत से टीबी के भेदभाव को खत्म करूंगा/करूंगी। पूर्ण समर्पण की भावना से मैं भारत को टीबी मुक्त बनाने की यज्ञ में अपना पूरा योगदान दूंगा /दूंगी।

घोटमर्रा उपकेंद्र में 5 एमवीए के ट्रांसफार्मर किए गए स्थापित, 11 गांवों को मिली बेहतर बिजली सुविधा

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (दुर्ग क्षेत्र) द्वारा ग्रामीण विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। साजा संभाग के देवरबीजा वितरण केंद्र अंतर्गत 33/11 केवी घोटमर्रा उपकेंद्र की क्षमता बढ़ाने का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है।

भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली मांग को ध्यान में रखते हुए, उपकेंद्र में लगे पुराने 3.15 एमवीए ट्रांसफार्मर को हटाकर उसकी जगह 5 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसे सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत (चार्ज) किया गया है। यह कार्य कार्यपालक निदेशक संजय

खंडेलवाल के मार्गदर्शन एवं अधीक्षण अभियंता आर.के. मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस क्षमता वृद्धि से घोटमर्रा, हड़गांव, भेड़नी, चोटमर्रा, केछवई, कड़ई, हाड़ाहुली, कातुलबोड, मोतेसरा, रौद्र और डरजरा सहित कुल 11 गांवों के लगभग 2410 घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। लंबे समय से बेहतर बिजली आपूर्ति की मांग कर रहे ग्रामीणों को अब राहत मिलेगी।

नए ट्रांसफार्मर के लगने से क्षेत्र में वोल्टेज की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। इससे किसानों को सिंचाई कार्यों के लिए पर्याप्त और स्थिर बिजली उपलब्ध होगी, वहीं घरेलू उपभोक्ताओं को भी गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलेगी। इस कार्य को सफल बनाने में विभागीय अधिकारियों एवं तकनीकी स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान कार्यपालन अभियंता एस.के. राय एवं एम.के. शुक्ला, सहायक अभियंता सी.एल. वर्मा, जी.पी. बंजारे तथा कनिष्ठ अभियंता अभिषेक राठी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों के अनुसार, ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ने से अब क्षेत्र में बढ़ते विद्युत लोड को आसानी से प्रबंधित किया जा सकेगा। इससे गर्मी के मौसम में भी बिजली ट्रिपिंग जैसी समस्याओं में कमी आएगी और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

जिले का ग्राम टेमरी बना कृषि प्रगति की नई मिसाल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले का ग्राम टेमरी कृषि विकास की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है। प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका के गोद ग्राम के रूप में विशेष पहचान प्राप्त कर चुके इस गांव ने शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के जरिए कृषि और किसान कल्याण में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

ग्राम टेमरी में किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से किसान क्रेडिट कार्ड योजना का व्यापक अभियान चलाया गया। लक्ष्यः 733 किसान, उपलब्धिः 733 किसानों को केसीसी प्रदान, लगभग शत-प्रतिशत उपलब्धि के साथ यह साबित हुआ कि प्रशासन और ग्रामीणों के समन्वय से योजनाएं जमीनी स्तर पर प्रभावी बन सकती हैं। इससे किसानों को समय पर ऋण, बीज, खाद एवं अन्य कृषि संसाधन आसानी से उपलब्ध हुए, जिससे खेती की लागत और निर्भरता दोनों में संतुलन आया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत भी ग्राम टेसरी ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। लक्ष्यः 559 कृषक, पंजीकरणः 527 कृषक इस योजना से किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता मिलने से उनकी आय में स्थिरता आई है और घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति भी सुगमता से हो रही है।

कृषि विभाग के मार्गदर्शन में टेमरी में पहली बार 4 हेक्टेयर क्षेत्र में रागी की खेती की गई। पोषण से भरपूर और कम पानी में उगने वाली इस फसल ने किसानों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। इस सफल प्रयोग ने यह साबित किया है कि सही मार्गदर्शन और तकनीकी सहयोग मिलने पर किसान पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर वैकल्पिक एवं लाभकारी फसलों को अपना सकते हैं। ग्राम टेमरी की सफलता की कहानी दर्शाती है कि इ्र योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासन और किसानों के बीच बेहतर समन्वय, नवाचार को अपनाने की सकारात्मक सोच, मिलकर ग्रामीण विकास को मजबूत आधार प्रदान करते हैं।

पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बना टेमरी

टेमरी न केवल बेमेतरा जिले, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल बन चुका है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि सही दिशा, समर्पण और सामूहिक प्रयास से गांव आत्मनिर्भर और समृद्ध बन सकते हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान : खाद्य मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रथ को किया रवाना

राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में किसानों को उन्नत एवं आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री द्वारा अभियान रथ को हरी झंडी दिखाकर विधिवत रवाना किया गया।

इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न ग्रामों में कृषि जागरूकता रथ के माध्यम से किसानों को उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्र, नवीन तकनीकों, जैविक खेती, फसल विविधीकरण तथा शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। रथ के माध्यम से विशेषज्ञ किसानों से सीधे संवाद कर उन्हें खेती में नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। विकसित कृषि संकल्प अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक पद्धतियों से खेती करने,

लागत कम करने तथा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सुनिश्चित करें तथा उन्हें शासन की सभी लाभकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं। साथ ही किसानों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के भी निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, एसएसपी रामकृष्ण साहू, जिला प्रशासन के अधिकारी, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में किसानों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इस पहल का स्वागत किया।

बुढ़ानछापर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत 5 मई 2026 को डोंगरगढ़ जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत बुढ़ानछापर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जनसमस्या निवारण शिविर में बुढ़ानछापर, मोहनपुर, बागनदी, चारभांठा, टाटेकसा, कोठीटोला, कनेरी, कारूटोला, पीपरखार कला, भगवानटोला, बरनारकला, रामपुर, नारायणगढ़, बागरेकसा, सीतागोटा, बोरतलाव कुल 16 ग्राम पंचायत के ग्रामवासी एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। शिविर में मांग से संबंधित 858 एवं शिकायत से संबंधित 8 कुल 866 आवेदन प्राप्त हुए। जिसके त्वरित निराकरण करने की कार्रवाई की जा रही है।

शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गर्भवती माताओं की गोदभराई और नन्हें शिशुओं का अन्नप्राशन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में पोषण कलश एवं दाल व अनाज से

बने गणेश आकर्षण का केन्द्र रहे। बच्चों के सुपोषण के लिए जनमानस को जागरूक किया गया। शिविर में जनपद पंचायत डोंगरगढ़ द्वारा 15 हितग्राहियों को राशनकार्ड वितरण, 6 हितग्राहियों को पेंशन एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना का स्वीकृति आदेश, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक डोंगरगढ़ व लाल बहादुर नगर द्वारा 5 हितग्राहियों किसान क्रेडिट कार्ड के तहत शून्य ब्याज पर ऋण, मत्स्य पालन विभाग द्वारा आईस बाक्स व मछली जाल तथा कृषि विभाग द्वारा मूंग बीज का वितरण किया गया।

शिविर में उपाध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक भरत वर्मा, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगढ़ श्रीमती लता अजय सिन्हा, सभापति जिला पंचायत राजनांदगांव श्रीमती अनिता मंडावी, सभापति जनपद पंचायत डोंगरगढ़ श्रीमती सरिता ओमप्रकाश मंडावी, सभापति जनपद पंचायत डोंगरगढ़ सुरेश वर्मा, सभापति जनपद पंचायत डोंगरगढ़ थनवार मंडावी, एसडीएम एम भार्गव, जनपद सीईओ श्रीमती भगवती साहू सहित ग्राम पंचायतों के सरपंच व पंच, अधिकारी, कमर्चारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

राजनांदगांव पुलिस की तत्परता से टला बड़ा हादसा, पद्मश्री फूलबासन बाई का अपहरण विफल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव पुलिस की सजगता और सूझबूझ से पद्मश्री फूलबासन बाई यादव के अपहरण की बड़ी साजिश नाकाम हो गई। ट्रैफिक चेकिंग के दौरान पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर पीड़िता को सुरक्षित छुड़ा लिया और पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई को 'विजिबल-एक्टिव-इफेक्टिव पुलिसिंग' का उत्कृष्ट उदाहरण बताया जा रहा है।

ट्रैफिक चेकिंग में खुला मामला

5 मई को सुबह करीब 11 बजे गठुला रोड पर ट्रैफिक निरीक्षक नवरत्न कश्यप, आरक्षक कपिल श्रीवास्तव और सुखदेव साहू की टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी08 जेड 2334 को रोका गया। पीछे बैठी महिला की स्थिति संदिग्ध लगी। पूछताछ में आरोपियों ने महिला को मिर्गी का

मरीज बताकर गुमराह करने की कोशिश की।

महिला के इशारे पर बची जान

पुलिस की सतर्कता के बीच महिला ने इशारे से मदद मांगी। तत्काल सभी को गाड़ी से उतारकर पूछताछ की गई। महिला की पहचान पद्मश्री फूलबासन बाई यादव, निवासी सुकुलदैहान के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने बहला-फुसलाकर उन्हें गाड़ी में बैठाया और जबरन ले जा रहे थे। मिर्ची स्प्रे दिखाकर जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। महिला समूह और अन्य कार्यों को लेकर दबाव बनाया जा रहा था।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर खुशबू साहू निवासी भिंभौरी, सलोनी महेश्वरी निवासी नेवनारा, दिनेश बंजारे निवासी नयाढाबा, गोपाल खेलवार निवासी पथरिया और चिनक राम साहू निवासी रताम बहेरा को गिरफ्तार कर लिया। सभी बेमेतरा और दुर्ग जिले के रहने वाले हैं। आरोपियों से मिर्ची स्प्रे, दो मोबाइल और स्कॉर्पियो वाहन जब्त किया गया है। पुलिस चौकी सुकुलदैहान में अपराध क्रमांक 182/2026 के तहत धारा 140(1), 140(3), 351(3), 61(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस टीम को मिलेगा पुरस्कार

पुलिस महानिरीक्षक बालाजी राव और पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने त्वरित कार्रवाई करने वाली टीम को पुरस्कार देने की घोषणा की है। घटना के बाद पद्मश्री फूलबासन बाई को सुरक्षा प्रदान की गई है।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में हुई इस कार्रवाई की वरिष्ठ अधिकारियों ने सराहना की है। पुलिस की सक्रियता से एक गंभीर अपराध समय रहते टल गया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, महापौर मधुसूदन यादव और भिलाई के विधायक देवेन्द्र यादव राजनांदगांव ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष विपीन यादव, शहर अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार ने फुलबासन का कुशलक्षेम भी जाना।

डीएनए और जैविक साक्ष्य संकलन पर पुलिस अधिकारियों की ऑनलाइन कार्यशाला, आईजी बिलासपुर रेंज ने की पहल

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

अपराध विवेचना में डीएनए एवं जैविक/भौतिक साक्ष्य संकलन की गुणवत्ता सुधारने के लिए बिलासपुर रेंज में एक दिवसीय ऑनलाइन कायर्शाला आयोजित की गई। पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग की पहल पर 5 मई को हुई कार्यशाला में रेंज के करीब 200 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

साक्ष्य संकलन में त्रुटि से दोषी हो जाते हैं बरी

कार्यक्रम का शुभारंभ आईजी राम गोपाल गर्ग ने किया। उन्होंने कहा कि हत्या, हत्या के प्रयास और बलात्कार के मामलों में डीएनए एवं जैविक साक्ष्यों का संकलन अहम होता है। विवेचकों की ओर से जप्ती और सैंपलिंग में प्रक्रियात्मक त्रुटि होने से परीक्षण रिपोर्ट निष्क्रिय आती है। इससे आरोपी को सीधा लाभ मिलता है और वे दोषमुक्त हो जाते हैं। डीएनए को आधुनिक न्याय प्रणाली का गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है। यह दोषियों को सजा दिलाने के साथ निर्दोषों को बचाने का भी शक्तिशाली माध्यम है।

वैज्ञानिकों ने दिए अहम टिप्स

क्षेत्रीय विज्ञान प्रयोगशाला बिलासपुर की वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. प्रियंका लकड़ा ने न्यायालयिक डीएनए पर प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि मानव डीएनए का 99.9% हिस्सा समान होता है, लेकिन 0.1% भिन्नता से व्यक्ति की पहचान होती है। रक्त, लार, वीर्य, बाल की जड़ें, हड्डी, दांत और टच डीएनए से विश्लेषण किया जाता है। निभर्या केस, तंदूर मर्डर केस और श्रद्धा वाकर केस में डीएनए साक्ष्य अहम रहे।

वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. स्वाति कुजूर ने न्यायालयिक जीव विज्ञान पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रयोगशाला में पहले प्रारंभिक परीक्षण से यह तय होता है कि नमूना जैविक है या नहीं। फिर यह देखा जाता है कि नमूना मानव का है या जानवर का। मानव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और कीट विज्ञान से मृत्यु का समय पता चलता है।

प्लास्टिक नहीं, कागज के बैग में रखें साक्ष्य

वैज्ञानिकों ने बताया कि डीएनए साक्ष्य बहुत संवेदनशील होते हैं। नमी, अधिक तापमान और बैक्टीरिया इन्हें नष्ट कर सकते हैं। इसलिए साक्ष्यों को प्लास्टिक के बजाय कागज के बैग में पैक करना और सूखा रखना जरूरी है। चेन ऑफ कस्टडी का पालन कानूनी रूप से अनिवार्य है।

प्रश्नोत्तर में दूर की गई शंकाएं

कायर्शाला के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। अधिकारियों ने विवेचना में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतें रखीं। डॉ. प्रियंका लकड़ा और डॉ. स्वाति कुजूर ने जप्ती और सैंपलिंग की समस्याओं का समाधान बताया।

वैज्ञानिक अधिकारियों का सम्मान

सफल आयोजन के लिए आईजी राम गोपाल गर्ग ने दोनों वैज्ञानिक अधिकारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुंगेली भोजराम पटेल ने किया। कार्यशाला में एसएसपी मुंगेली भोजराम पटेल और डीएसपी विवेक शर्मा भी मौजूद रहे।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई : देशी कट्टा और दो लाख नगदी के साथ आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कुम्हारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को देशी कट्टा, जिंदा कारतूस और ?2 लाख नगदी के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 5 मई 2026 को थाना कुम्हारी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खारून नदी स्थित रेलवे ब्रिज के नीचे एक व्यक्ति सफेद प्लास्टिक बोरी में अवैध देशी कट्टा एवं नगदी रखकर बिक्री करने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम गठित कर स्वतंत्र गवाहों के साथ मौके पर दबिश दी गई।

पुलिस टीम को देखकर संदिग्ध व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम अविनाश आष्टिकर (53 वर्ष) निवासी कबीर नगर, रायपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से 01

नग देशी कट्टा, 01 नग जिंदा कारतूस, 2 लाख नगदी और एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया।

आरोपी द्वारा हथियार एवं नगदी के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने सामग्री जब्त कर ली। आरोपी के खिलाफ थाना कुम्हारी में आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है।

अवैध हथियार बिक्री की थी तैयारी

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अवैध रूप से देशी कट्टा बेचने की तैयारी में था। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि पुरुषोत्तम कुर्रे, सउनि सुभाष बोरकर, आरक्षक जी. किरण, फनेश्वर गंगराले, विकास शेण्डे एवं राजेश ध्रुव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अवैध हथियार की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

पद्मश्री फूलबासन से मिले विधायक देवेंद्र, बोले- विधायक की तरह मिलनी चाहिए सुरक्षा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पद्मश्री फूलबासन बाई यादव के अपहरण के प्रयास के बाद बुधवार सुबह भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव उनसे मिलने सुकुलदैहान पहुंचे। विधायक को देखकर फूलबासन बाई भावुक हो गई और गले लगकर रो पड़ीं। उन्होंने अपनी पीड़ा साझा की।

'यह घटना शासन के लिए शर्म की बात' : मीडिया से बातचीत में विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि पद्मश्री अवार्डी के साथ हुई यह घटना चिंताजनक है। उन्होंने कहा, जिस तरह से महिलाओं के उत्थान के लिए काम करने वाली, विश्वभर में नाम

कमाने वाली फूलबासन बहन के अपहरण का प्रयास हुआ, वह शासन और पुलिस प्रशासन के लिए शर्म की बात है। वे अपनी हिम्मत और सजगता से बच गईं, लेकिन पुलिस को गहराई से जांच करनी चाहिए। **बड़े षड्यंत्र की आशंका :** विधायक ने कहा कि उन्हें इसके पीछे बड़ा षड्यंत्र नजर आता है। सिर्फ सामने दिख रहे चेहरों को नहीं, उनके पीछे के अपराधियों को भी पकड़ना चाहिए। उन्होंने मांग की कि फूलबासन बाई को विधायक और पूर्व विधायक की तरह सुरक्षा दी जाए।

इस दौरान जिला अध्यक्ष विपिन यादव, जीतू मुदलियार, खुज्जी की पूर्व विधायक छन्नी साहू, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ अली, प्रदेश सचिव मेहुल मारु, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव, मानव देशमुख, विशु अजमानी और एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अमर झा मौजूद रहे।

6 साल की बच्ची से दुष्कर्म पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी का प्रदर्शन

तिल्दा-नेवरा। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने मंगलवार को तिल्दा-नेवरा क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर एसडीएम कार्यालय तिल्दा और थाना नेवरा में ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने 6 वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म की घटना पर गहरी चिंता जताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में पार्टी ने क्षेत्र में पुलिस बल की कमी का मुद्दा उठाया। कहा कि पर्याप्त पुलिस व्यवस्था नहीं होने से कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ट्रैफिक व्यवस्था की अव्यवस्था से आम जनता को रोज परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी ने इसे तुरंत सुधारने की मांग की। पार्टी पदाधिकारियों ने प्रशासन से चार मांगें रखीं। पहला, दुष्कर्म के दोषियों पर सख्त और त्वरित कार्रवाई हो। दूसरा, पीड़ित परिवार को न्याय और आवश्यक सहायता मिले। तीसरा, थाना क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। चौथा, यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द उचित कार्रवाई नहीं की तो संगठन जनहित में आंदोलन करने को बाध्य होगा। पार्टी ने प्रशासन से निष्पक्ष, संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

कथावाचक प्रदीप मिश्रा की कथा के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी का आरोप, एसपी ऑफिस में शिकायत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कथावाचक प्रदीप मिश्रा की कथा कराने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। छुरिया निवासी दिनेश साहू के खिलाफ एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि दिनेश साहू ने कथा आयोजन के नाम पर लोगों से रकम ली, लेकिन कार्यक्रम नहीं कराया।

बसंतपुर थाने में पहले भी हुई थी शिकायत

जानकारी के अनुसार, इसके पहले भी दिनेश साहू के खिलाफ बसंतपुर थाना में शिकायत की गई थी। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि आज तक उस मामले में जांच नहीं हुई। अब पीड़ितों ने एसपी कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस पर बचाने का आरोप

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पुलिस और आयोजन से जुड़े कुछ राजनीतिक लोग दिनेश साहू को बचाने में लगे हैं। इसी वजह से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ितों ने उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच और रकम वापसी की मांग की है। पुलिस ने कहा कि शिकायत मिली है। मामले की जांच कराई जाएगी। तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय मंच पर बीएसप की उपस्थिति, जीएम पुष्पा एम्ब्रोस ने ग्लोबल बिजनेस समिट में रखा विजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। संयंत्र की स्टील मेल्टिंग शॉप-3 की महाप्रबंधक सुश्री पुष्पा एम्ब्रोस ने मलेशिया के विन्धम क्लांग में आयोजित ग्लोबल बिजनेस समिट-2026 में भाग लेकर विशिष्ट पैनल चर्चा में संयंत्र का प्रतिनिधित्व किया।

'ग्लोबल सिनर्जी : बिजनेस विदाउट बाउंड्रीज' थीम पर मंथन

सम्मेलन का विषय "ग्लोबल सिनर्जी: बिजनेस विदाउट बाउंड्रीज" था। इसमें वैश्विक उद्योग जगत के अग्रणी प्रतिनिधि, नीति-निर्माता और विशेषज्ञ शामिल हुए। अपने संबोधन में पुष्पा एम्ब्रोस ने "वैश्विक उद्योगों को बढ़ावा देनाः सहयोग और अवसर" विषय पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक परिवेश में सुदृढ़ और सतत औद्योगिक तंत्र के लिए समन्वित प्रयास, ज्ञान साझाकरण और नवाचार आधारित रणनीतियां जरूरी हैं।

'द बिजनेस असेंट' पत्रिका का लोकार्पण

कार्यक्रम में कीनोट और पैनल सत्रों के साथ व्यक्तिगत वक्तव्य सत्र भी हुए। "द बिजनेस असेंट" पत्रिका का औपचारिक लोकार्पण किया गया। ग्लोबल बिजनेस अवॉर्ड्स समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित किया गया।

ग्लोबल ट्रायम्फ फाउंडेशन ने इंडिया-ओसियन ट्रेड काउंसिल के सहयोग से इस समिट का आयोजन किया। समिट ने वैश्विक व्यापार प्रवृत्तियों, नेतृत्व, नवाचार और सतत विकास पर संवाद को बढ़ावा दिया।

मंत्रीगण और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि रहे मौजूद

समिट में मलेशिया के गणमान्य मंत्रीगण और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सम्मेलन में वैश्विक औद्योगिक सहयोग, 2026 और उसके बाद के आर्थिक परिदृश्य, वैश्विक गतिशीलता और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा जैसे विषयों पर पैनल चर्चाएं हुईं। विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100